हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

बॉडीकॉन आउटफिट में छाईं रकुल प्रीत सिंह हर एक पोज पर अटक गई फैंस की...

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 04 मार्च 2025, वर्ष- 08, अंक- 16, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

उत्तर प्रदेश में हाइवे से लगीं सभी शराब की दुकाने हटेंगी, बोर्ड के आकार भी छोटे होंगे

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे एवं हाईवे से लगीं सभी शराब की दुकानों को हटाया जाएगा। इसके अलावा बड़े बड़े अक्षरों में लिखा शराब की दुकाना, को भी छोटा किया जाएगा। इस आशय के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि शराब की दुकानों के साइनेज बोर्ड बहुत बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में यह आदेश दिए।

लंबी दूरी वाले वाहनों में दो चालक जरूरी : मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे प्रदेश से आने वाले बिना परमिट के वाहनों को बॉर्डर पर रोकें जाए। सीएम योगी ने कहा कि ट्रासंपोर्ट एसोसिएशन एवं व्हीकल एसोसिएशन से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित कराएं कि लंबी दूरी के वाहनों पर दो ड्राइवर हों। इससे भी दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है। इसी के साथ सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि एक्सप्रेस-वे एवं हाइवे पर क्रेन, पेट्रोलिंग वाहन और एंबुलेंस की संख्या बढ़ाएं।

ई रिक्शा ड्राइवर का वैरिफिकेशन जरूरी : सीएम योगी ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में यह देखने को मिलता है नाबालिक बच्चे ई रिक्शा चला रहे हैं। इस पर प्रभावी अंकुश लगाना बहुत जरूरी है,उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक कदम उठाने के आदेश दिए। साथ ही सभी ई रिक्शा ड्राइवर का वैरिफिकेशन अवश्य कराने को कहा। उन्होंने कहा कि आरटीओ ऑफिस को बिचौलियों से पूर्णतः मुक्त रखें, इसके लिए समय-समय पर रैंडम चेकिंग अभियान चलाएं।

ट्रैफिक प्रबंधन सुधारने के बताए उपाय : सीएम योगी ने कहा कि सड़क जाम एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, ट्रैफिक के सुचारू संचालन के लिए प्रदेश में प्रयाप्त मैनपॉवर उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर सिविल पुलिस, पीआरडी और होमगार्ड के जवानों को ट्रेनिंग देकर ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, स्कूलों एवं मुख्य बाजारों के बाहर टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराए।

यौन उत्पीड़न से गर्भवती हुई युवती का गर्भपात कराने के आदेश

एजेंसी, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न की शिकार युवती के अनचाहे गर्भ को 3 दिन में समाप्त करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कानपुर नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पीड़िता के भ्रूण के ऊतक और रक्त को साक्ष्य के रूप में संरक्षित करने के भी निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति दोनदी रमेश की कोर्ट ने सोमवार को दिया। याची के अधिवक्ता ने बहस की कि पीड़िता यौन उत्पीड़न की शिकार हुई है। इसकी वजह से वह गर्भवती हो गई है। एफआईआर दर्ज कराई गई है। पीड़िता सामाजिक लोक-लाज की वजह से गर्भ को समाप्त करवाना चाहती है। खुद के साथ हुई ज्यादती के कारण वह काफी परेशान है। ऐसे में उसे गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए। कोर्ट में अधिवक्ता ने दलील दी कि शासनादेश के अनुसार 20 सप्ताह तक के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते मामला यौन उत्पीड़न से जुड़ा हो। इसके बाद कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट व राज्य सरकार के शासनादेश का हवाला देकर पीड़िता के गर्भ को तीन दिन में समाप्त करने की इजाजत दे दी।

यूपी में हथकरघा और वस्त्रोद्योग को नई ऊंचाई पर ले जा रही योगी सरकार

एजेंसी, लखनऊ । प्रदेश में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला विकेन्द्रीयकृत कुटीर उद्योग बनकर उभरा है। इस क्षेत्र में लगभग 1.91 लाख हथकरघा बुनकर एवं 80 हजार से अधिक परिवार इस कार्य में संलग्न हैं। वहीं, 2.58 लाख पावरलूम के माध्यम से 5.50 लाख से अधिक बुनकरों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। इससे बुनकरों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। पीएम मित्र योजना के अंतर्गत बनने वाले ये पार्क वस्त्र उद्योग को आधुनिक तकनीकों से लैस करेंगे और उत्पादन लागत को कम करके उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक बनाएंगे। इससे उत्तर प्रदेश के कपड़ा उद्योग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। इसके अलावा योगी सरकार ने वस्त्र एवं परिधान उद्योग को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश वस्त्र-गारमेंटिंग नीति 2022 लागू की है, जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए बजट 2025-26 में 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इस नीति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को परिधान निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा। यह योगी सरकार प्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेंगे तथा पारंपरिक बुनकरों एवं नए उद्यमियों को नई उड़ान देंगे।

यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे: कीर स्टार्मर

एजेंसी, लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कल यहां अहम घोषणा की। उन्होंने रूस और यूक्रेन युद्ध पर कहा कि हम इतिहास में चौराहे पर हैं। यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे। जरूरत पड़ने पर रूस के खिलाफ गठबंधन तैयार किया जाएगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, स्टार्मर ने यह घोषणा लंदन में 18 यूरोपीय नेताओं की बैठक के बाद की। बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने भी हिस्सा लिया। स्टार्मर ने कहा कि इस मसले पर कई अन्य देशों ने संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन और फ्रांस के साथ हैं। कीव और मॉस्को के बीच संघर्ष विराम की स्थिति में यूक्रेन में सेना तैनात कर सकते हैं। उन्होंने यूक्रेन को 5,000 से अधिक वायु रक्षा मिसाइलें खरीदने के लिए ब्रिटिश निर्यात वित्तपोषण में 1.6 बिलियन पाउंड का उपयोग करने की अनुमति देने की योजना की भी घोषणा की। स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने शनिवार रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की है। उनका मानना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ आने पर सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता सकता है।

राममंदिर में दर्शन के बाद जूते-चप्पल लेने लगाना पड़ रहा 5-6 किमी का फेरा

लोग छोड़कर ही जा रहे जूते-चप्पल, इसे हटाना नगर निगम के लिए बना चुनौती

एजेंसी, अयोध्या

अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पिछले डेढ़ महीने से भीड़ बढ़ने से नगर निगम अधिकारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ को मैनेज करने कुछ नियमों में बदलाव किए हैं जिससे बहुत से श्रद्धालु अपने जमा जूते चप्पलों को लेने नहीं आ रहे हैं। अब इन्हें हटाना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक मंदिर के प्रवेश द्वार पर प्रतिदिन जूते-चप्पल जमा किया जाते हैं, जिन्हें जेसीबी मशीनों से इकट्ठा कर ट्रॉलियों में भरकर दूर किसी स्थान पर डंप किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 1 जो राम पथ पर स्थित है, वहां भक्तों से उनके जूते-चप्पल उतरवाकर जमा कराए जाते हैं। मंदिर परिसर में करीब आधा किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद श्रद्धालु उस गेट पर वापस आकर अपने जूते-चप्पल लेते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अयोध्या प्रशासन ने भक्तों को गेट नंबर 3 और अन्य गेटों से बाहर निकलने के निर्देश दिए हैं। इससे अपने जूते-चप्पल लेने के लिए उन्हें 5-6 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इस कारण कई श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर नंगे पांव ही चले जाते हैं। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि महाकुंभ के कारण भक्तों की संख्या बढ़ गई। पिछले 30 दिनों में व्यवस्थाओं में बदलाव किए गए हैं, ताकि भक्तों की भीड़ को बिना किसी अव्यवस्था के आसानी से दर्शन करने की सुविधा मिल सके।

मैंने और फडणवीस ने अपनी कुर्सियां बदली हैं और अजित की कुर्सी वही: शिंदे

महाराष्ट्र सीएम ने डिप्टी सीएम से विवाद की खबरों को किया खारिज

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से विवाद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे ने अमित शाह से मेरी कोई शिकायत नहीं की है। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत कहानी लिखने में बॉलीवुड के मशहूर लेखक सलीम-जावेद से कंपटीशन कर रहे हैं। सीएम फडणवीस सोमवार से शुरू हुए विधानसभा बजट सत्र से पहले डिप्टी सीएम शिंदे और अजित पवार के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोई युद्ध नहीं है। जो लोग हम दोनों को

जानते हैं, वे यह भी जानते होंगे कि जब हम साथ होते हैं तो क्या करते हैं। हमलोग एकजुट होकर काम कर रहे हैं। डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि बस इतना हुआ है कि फडणवीस और मैंने अपनी कुर्सियां बदली हैं और अजित पवार की कुर्सी वही है। इस पर अजित पवार ने शिंदे से मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर आप अपनी कुर्सी नहीं बचा पाए तो मैं क्या कर सकता हूं। इस पर तीनों जोर से हंसने लगे। शिंदे ने मीडिया से कहा कि आप जितनी भी मेहनत से ब्रेकिंग न्यूज बनाने की कोशिश करें, हमारा गठबंधन टूटने वाला नहीं है। इतनी तेज गर्मी में कोल्ड वार कैसे हो सकता है? सब कुछ ठंडा-ठंडा, कूल-कूल है। इस पर शिंदे के बगल में बैठे फडणवीस मुस्कुराते नजर आए। सीएम एवं उनके सहयोगियों ने सांसद संजय राउत के दावे को खारिज कर दिया कि शिंदे ने सुबह 4 बजे पुणे में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर फडणवीस के खिलाफ शिकायत की थी। शिंदे ने कहा कि अमित शाह बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के नेता हैं। अजित पवार ने कहा कि यह सुबह 10 बजे की शिष्टाचार मुलाकात थी। फडणवीस ने कहा कि वह भी बैठक में मौजूद थे।

पीएम का गुजरात दौरा: गिर में शेरों का किया दीदार

एजेंसी, अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं, इस बीच उन्होंने वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे के अवसर पर सोमवार सुबह गिर नेशनल पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने एशियाटिक शेरों को नजदीक से देखा। उनके गिर पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। पीएम मोदी ने रात्रि विश्राम सासण में किया था। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले वे जामनगर स्थित वनतारा पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र भी गए थे। वनतारा केंद्र की देखरेख मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी द्वारा की जाती है। शनिवार रात 8 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जामनगर पहुंचे थे।

ऑस्कर अवॉर्ड 2025 : अनोरा ने मारी बाज़ी, बेस्ट पिक्चर समेत 5 अवॉर्ड जीते

ऑस्कर 2025 के कुछ बड़े विजेता

- **बेस्ट पिक्चर**: अनोरा
- **बेस्ट डायरेक्टर**: अनोरा
- **बेस्ट एक्टर**: एड्रिअन ब्रॉडी (द ब्रूटलिस्ट)
- **बेस्ट एक्ट्रेस**: मिकी मेडिसन (अनोरा)
- **बेस्ट स्क्रीनप्ले**: अनोरा
- **बेस्ट एडिटिंग**: अनोरा

एजेंसी, लॉस एंजिलिस

97वीं ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में इस साल का जलवा फिल्म अनोरा के नाम रहा, जिसने बेस्ट पिक्चर समेत कुल 5 अवॉर्ड अपने नाम किए। इस दौरान द ब्रूटलिस्ट भी चर्चा में रही, जिसे 3 अवॉर्ड मिले। बेस्ट एक्टर का खिताब द ब्रूटलिस्ट के लिए एड्रिअन ब्रॉडी ने जीता, जबकि बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अनोरा की मिकी मेडिसन को मिला। इस साल के ऑस्कर अवॉर्ड्स में अनोरा और द ब्रूटलिस्ट सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहीं। अनोरा ने अपने दमदार निर्देशन, कहानी और बेहतरीन परफॉर्मेंस के दम पर सबसे ज्यादा 5 ट्रॉफियां जीतीं। वहीं, द ब्रूटलिस्ट को भी तीन बड़ी कैटेगरी में सराहना मिली। ऑस्कर 2025 की इस रंगारंग रात में सिनेमा के चमकते सितारों ने अपनी चमक बिखेरी और दुनिया भर के सिनेमा प्रेमियों को यादगार पल दिए।

माधबी के खिलाफ मामला होगा दर्ज

सेबी की पूर्व अध्यक्ष पर एसीबी कोर्ट ने दिए एफआईआर दर्ज करने के आदेश

एजेंसी, मुंबई

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की पहली महिला अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने 1 मार्च 2022 को यह पद संभाला था। माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को पूरा हुआ है और उनकी जगह तुहिन कांत पांडे को नया सेबी चेयरपर्सन बनाया गया है। कार्यकाल पूरा होते ही माधबी पुरी बुच पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश हुए हैं। मुंबई की एसीबी अदालत ने पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अन्य के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और नियामक उल्लंघनों के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। माधबी पुरी का जन्म 1965 में मुंबई में हुआ था। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे और उनकी मां राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट थीं। माधबी की शुरुआती पढ़ाई फोर्ट कॉन्वेंट स्कूल, मुंबई से हुई। इसके बाद उनका परिवार दिल्ली आ गया, जिसके बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई दिल्ली से पूरी की। माधबी पुरी बुच ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से मैथ्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद से एमबीए की डिग्री ली। उन्होंने

अपने करियर की शुरुआत 1989 में आईसीआईसीआई बैंक से की, जहां उन्होंने इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में काम किया था बाद में माधबी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की एमडी और सीईओ भी बनीं। माधबी ने आईसीआईसीआई के अलावा ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल, सिंगापुर की भी बागडोर संभाली। ब्रिक्स समूह द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी), शंघाई में सलाहकार के रूप में भी काम किया। सेबी की अध्यक्ष बनने से पहले माधबी पुरी बुच 5 अप्रैल 2017 से 4 अक्टूबर 2021 तक सेबी की होल टाइम मेंबर थीं। इस दौरान उन्होंने मॉनिटरिंग, म्यूचुअल फंड, सामूहिक निवेश योजनाएं और बाजार नियमन जैसे प्रमुख विभागों की जिम्मेदारी संभाली। उन्हें अजय त्यागी की जगह सेबी का चेयरपर्सन नियुक्त किया था। इस दौरान उन्होंने बाजार की मॉनिटरिंग, निवेशक शिक्षा, आर्थिक नीतियों और सूचना प्रौद्योगिकी विभागों की अगुवाई की। माधबी अगोरा एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड की इनक्यूबेशन फर्म की संस्थापक-निदेशक भी हैं।

केन्द्र सरकार आदिवासियों के अधिकारों संरक्षित करे- कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली । कांग्रेस ने केंद्र सरकार से आदिवासियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके साथ ही जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ रहे लोगों की मांगें स्वीकार करने, गोंडी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने और 9 अगस्त (विश्व आदिवासी दिवस) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग की है। आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष एवं झाबुआ के विधायक डा. विक्रांत भूरिया ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश के 12 करोड़ आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। वन अधिकार अधिनियम आदिवासियों को जंगलों पर अधिकार देता है लेकिन असलियत में आदिवासियों को किसी तरह के अधिकार नहीं मिल रहे हैं। भूरिया ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में सरकार 40% वनों को निजी कंपनियों को देने की तैयारी है। नतीजतन, वहां के आदिवासियों को जंगल की उन जमीन से बेदखल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हसदेव जंगल (छत्तीसगढ़) में 'वन अधिकार अधिनियम' के उल्लंघन का सबसे बड़ा उदाहरण देखने को मिल रहा है। वहां अभी तक 1 लाख पेड़ों को काटा जा चुका है और आगे खनन के लिए 2.5 से 3 लाख पेड़ों को और काटा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: दृष्टिहीन भी बन सकेंगे जज

मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियमों को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि दृष्टिहीन (नेत्रहीन) लोग भी न्यायिक सेवाओं में नियुक्त हो सकते हैं। अदालत ने साफ किया कि दिव्यांगता के आधार पर किसी भी व्यक्ति को न्यायिक सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियमों को खारिज कर दिया, जो दृष्टिहीन उम्मीदवारों को जज बनने से रोकते थे। इस फैसले के बाद अब दृष्टिहीन उम्मीदवार भी न्यायिक सेवाओं के लिए चयन प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने? सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की डबल बेंच ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, कि किसी भी व्यक्ति को उसकी दिव्यांगता के आधार पर न्यायिक सेवा से वंचित नहीं किया जा सकता। दृष्टिहीन लोगों को भी समान अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मध्य प्रदेश के न्यायिक सेवा नियमों में भेदभावपूर्ण भाषा का इस्तेमाल किया गया था, जिससे दृष्टिहीन उम्मीदवारों को बाहर रखा जाता था।

कैसे शुरू हुआ मामला : इस फैसले की शुरुआत मध्य प्रदेश की एक महिला की याचिका से हुई थी, जिसका दृष्टिहीन बेटा न्यायिक सेवा में जाना चाहता था। जब उसे चयन प्रक्रिया में भाग लेने से रोका गया, तो उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखा। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लेकर मामला सुना और यह ऐतिहासिक निर्णय सुनाया।

यह फैसला दृष्टिहीन और अन्य दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक बड़ी जीत है। यह न्यायिक सेवाओं में समावेशन को बढ़ावा देगा। दिव्यांग व्यक्तियों को बराबरी का अवसर मिलेगा और भेदभाव खत्म होगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से दृष्टिहीन उम्मीदवारों के लिए न्यायिक सेवाओं में एक नया रास्ता खुल गया है। अब वे भी जज बनने के अपने सपने को साकार कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चैम्बर द्वारा आज बिहार विधान सभा में प्रस्तुत 2025-2026 के बजट का स्वागत

पटना। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने आज उप मुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री सम्राट चौधरी द्वारा विधान सभा में प्रस्तुत बिहार बजट 2025-2026 का स्वागत करते हुए कहा कि इससे राज्य के चंहुमुखी विकास को बल मिलेगा। चैम्बर अध्यक्ष सुभाष पटवारी ने बताया कि बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना-प्रावैधिकी, पर्यटन उद्योग एवं निवेश को बढ़ावा, कृषि, ग्रामीण एवं शहरी आधारभूत संरचना का विकास एवं जनकल्यणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर बल दिया गया है। पटवारी ने कहा कि बजट में बिहार प्लास्टिक विनिर्माण नीति, बिहार खाद्य प्रसंस्करण नीति 2025, बिहार फार्मास्यूटिकल नीति लाने औद्योगिक विकास नीति को विकसित करने, बिहार क्लियर ट्रांसफॉर्मेशन का निर्माण, राज्य के राजगीर, सुल्तानगंज एवं रक्सौल में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाने, पूर्णिया से तीन महीने में हवाई सेवा का प्रारम्भ, बेगुसराय में कैंसर अस्पताल का निर्माण, पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण, निबंधन कार्यालयों को पेपरलेस करने, 2027 तक राज्य के सभी भागों से 4 घंटे में मुख्यालय पहुंचने, राज्य के सभी बस स्टैंड का आधुनिकीकरण, प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज की स्थापना स्वागत योग्य कदम है। बजट में महिलाओं के लिए पिंक बस, पिंक टॉयलेट, महिला हाट का प्रावधान करते हुए उनका विशेष ध्यान रखते हुए निचले स्तर तक के लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रावधान किया गया है।

बजट में दिख रही बिहार के विकास लिए प्रतिबद्धता : राकांपा

पटना। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट का एनसीपी अजीत पवार गुट ने सराहना की है। पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मीडिया समन्वयक रंजन प्रियदर्शी ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट बिहार सरकार के विकास के प्रति प्रतिबद्धता का नमूना है। उन्होंने कहा कि इस बजट में केवल शिक्षा विभाग के लिए 60 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया गया है जिससे ये समझा जा सकता है कि बिहार सरकार राज्य मे शिक्षा की बेहतरी के लिए कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा कि जिस लालटेन युग के दौरान लोगों को बिजली उपलब्ध नहीं थी और लोगों को जीवन अंधेरे में बीतता था उन्हें ये जानना चाहिए कि एनडीए के शासनकाल में बिहार में रिकॉर्ड स्तर पर बिजली का उत्पादन हो रहा है और लोग सुकून की जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में महिलाओं के कल्याण के लिए की गई घोषणाओं से यह पता चलता है कि राज्य की एनडीए सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कितनी गंभीर है। राज्य के प्रमुख शहरों में महिलाओं के लिए पिंक बस का परिचालन किया जाएगा, जिसमें सवारी, चालक एवं कण्डक्टर सभी महिलाएं होंगी साथ ही चालक एवं कण्डक्टर के रूप में महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा तथा बिहार राज्य पथ परिवहन निगम से चालक, कण्डक्टर एवं डिपो मेन्टेनेंस स्टाफ के पदों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू की जायेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया नामांकन, आज होगी ताजपोशी

पटना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में डॉ. दिलीप जायसवाल की ताजपोशी तय मानी जा रही है। बापू सभागार में मंगलवार को होने वाली प्रदेश परिषद की बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में डॉ. जायसवाल को विधिवत पदभार ग्रहण कराया जायेगा। डॉ. जायसवाल ने इससे पूर्व सोमवार को चुनाव अधिकारी सह प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया। डॉ. जायसवाल के प्रस्तावकों में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और विधान पार्षद संजय मयूख आदि शामिल हैं। डॉ. जायसवाल के विरोध में किसी अन्य ने नामांकन का पर्चा दाखिल नहीं किया है। प्रदेश भाजपा परिषद के प्रभारी व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े और सह प्रभारी दीपक प्रकाश भी इस मौके पर उपस्थित रहेंगे। प्रदेश परिषद की बैठक में मंडल, प्रखंड और जिलास्तरीय कमेटी के अध्यक्ष सहित सभी सदस्य शामिल होंगे।

मंहगाई कम करने के बजाय तरकारी बेचने में लग गई नीतीश सरकार : अखिलेश

पटना। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने वित्त मंत्री सम्राट चौधरी द्वारा सोमवार को पेश बिहार के बजट को बेजान, बेअसरदार और उम्मीद के प्रतिकूल करार दिया। उन्होंने कहा कि चुनावी साल के बजट में उम्मीद थी कि इसमें रोजगार की बात होगी, मंहगाई को कम करने की कम से कम तात्कालिक कोशिश होगी, युवाओं के लिए रोजगार युक्त प्रशिक्षण की बात होगी, महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेन्डर मुहैया कराने की बात होगी, डीजल-पेट्रोल पर वैट घटाकर मंहगाई पर नकेल कसने की बात होगी, किसान के लिए एमएसपी की बात होगी लेकिन सब के सब ढाक के तीन पात। चूंकि डबल इंजन की सरकार का यह आखिरी बजट है इसलिए बड़ी उम्मीद थी कि बिहार वासियों को कम से कम मंहगाई और बेरोजगारी की मार से कुछ राहत मिलेगी। लेकिन मंहगाई को कम करने के बजाय सरकार तरकारी आउटलेट के जरिए मुनाफा कमाने की कोशिश में लग गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके अलावा नीतीश के सात निश्चय का कतरा भी बजट से गायब है। मेरी समझ में एक बात नहीं आती कि करीब 3 लाख 17 हजार करोड़ का बजट पेश किया गया है और 3 लाख 32 हजार करोड़ का ऋण है तो ये पैसे कहाँ से आयेंगे और कैसे चुकाये जाएंगे। हकीकत यह है कि बजट को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया गया है। यह सब हवाबाजी है और कुछ नहीं है।

बजट बिहारवासियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आएगा : जीवेश

पटना। नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को बिहार के विकास के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 3.17 लाख करोड़ रुपए का यह बजट बिहारवासियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आएगा। बजट में महिला, किसान, युवा, शोषित, वचिंत और गरीब तबके का खास ख्याल रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संकल्प से बिहार का विकास होगा। प्रधानमंत्री ने भागलपुर में किसान सम्मान समारोह के दौरान बिहार के किसानों के उत्थान पर जोर दिया था। उनके मार्गदर्शन में बिहार सरकार ने इस बजट में किसानों पर विशेष ध्यान दिया है। अरहर और मूंग दाल को एमएसपी पर लेने का फैसला किया है। साथ ही, सुधा डेयरी की तर्ज पर अब हम किसानों से सब्जियां भी खरीदेंगे। सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अधिक 60 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का निर्णय लिया है, जो बहुत ही सराहनीय है। हमारी सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम महिलाओं की सुरक्षा और उनके स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रख रहे हैं। हर पंचायत में सरकार विवाह मंडप बनाएगी। जहां गरीब लड़कियों की शादी कराई जाएगी. महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट बनाए जाएंगे। बड़े शहरों में महिलाओं के लिए पिंक बस सर्विस की भी शुरूआत होगी। मंत्री ने विशेष रूप से नगर विकास एवं आवास विभाग के लिए की गई घोषणाओं के लिए वित्त मंत्री श्री सम्राट चौधरी को धन्यवाद दिया. सरकार ने राज्य के चार शहरों (पटना, मुजफ्फरपुर,भागलपुर और बिहारशरीफ) में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत भागलपुर के लिए कुल 980 करोड़ रुपए, पटना के लिए 836.27 करोड़ रुपए. मुजफ्फरपुर के लिए 886.48 करोड़ रुपए और बिहारशरीफ के लिए 755.25 करोड़ रुपए जारी किए हैं।

बिहार बजट 2025-26 में शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए नीतीश सरकार ने खोला पिटारा

नई सोच एक्सप्रेस

» अब तेजी से होगा अधूरा पड़ा काम
» महिलाओं के लिए बड़े ऐलान
» बीएसआरटीसी में 33% आरक्षण,
» ई-रिक्शा सब्सिडी, कन्या विवाह मंडप और कई विकास योजनाएं

पटना। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अबतक का सबसे बड़ा बजट पेश किया गया है। विधानसभा में डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 3 लाख 17 हजार करोड़ का बजट पेश किया। बजट में इस बार शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास पर काफी जोर दिया गया है। हालांकि, चुनाव से पहले कोई लोकलुभावन या मुफ्त स्कीम का ऐलान नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में यह ट्रेंड देखने को मिला था कि तमाम राज्य सरकार जनता को लुभाने के लिए मुफ्त स्कीम लेकर आ रही थी। परन्तु नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार में एनडीए की सरकार ने इसे नहीं दोहराया है। राज्य सरकार को अपने काम पर भरोसा है। शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग की तस्वीर बदलने के लिए बड़ा ऐलान किया गया है। पेश किए गए बजट में शिक्षा विभाग को 60974 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य विभाग को 20335 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इससे राज्य में स्कूलों की स्थिति और अस्पताल को बेहतर बनाने का काम किय जाएगा। बिहार में नीतीश सरकार सड़कों को बेहतर करने पर हमेशा से जोर देती रही है। इस बार के बजट में भी सड़कों के लिए 17908 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसके साथ ही ग्रामीण विकास विभाग को 16043 करोड़ रुपये दिए गए हैं। अगर अन्य विभाग पर नजर डालें तो गृह विभाग को 17831 करोड़ रुपये, ऊर्जा विभाग को 13484 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया गया है। एससी-एसटी छात्रों को बड़ा तोहफा देते हुए बजट में पिछडों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति दोगुनी करने का ऐलान किया गया है। इसके साथ ही प्रत्येक प्रखंड में आउटडोर स्टेडियम बनेंगे। साइबर अपराध रोकने के लिए डेटा सेंटर बनाए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 3.17 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करते हुए महिलाओं, किसानों, युवाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इस बजट में महिलाओं के लिए विशेष रूप से कई योजनाओं का ऐलान किया गया है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की नौकरियों में 33% आरक्षण दिया जाएगा। महिला चालकों को ई-रिक्शा और दोपहिया वाहन खरीदने पर सब्सिडी दी जाएगी। प्रमुख शहरों में महिला वाहन चालक प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे, जहां प्रशिक्षक भी महिलाएं होंगी। महिलाओं की सुविधा के लिए प्रमुख शहरों में पिंक बसें चलाई जाएंगी, जिनमें चालक, कंडक्टर और यात्री सभी महिलाएं होंगी। गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह को ध्यान में रखते हुए हर पंचायत में कन्या विवाह मंडप स्थापित किए जाएंगे। सभी शहरों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट बनाए जाएंगे। पटना में महिलाओं के लिए व्यायामशाला स्थापित की जाएगी और 'जिम ऑन व्हील ' योजना शुरू होगी। इसके अलावा, प्रमुख शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाए जाएंगे। महिला सिपाहियों की सुविधा के लिए उन्हें थाने के पास ही पदस्थापित किया जाएगा और आवास की सुविधा दी जाएगी। राज्य के 358 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। बड़े अनुमंडलों में रेफरल अस्पतालों का निर्माण होगा। सभी प्रमंडलों में कैंसर अस्पताल बनाए जाएंगे, जिनमें बेगूसराय में एक बड़ा कैंसर अस्पताल शामिल है। 108 नगर चिकित्सा सुविधा केंद्र भी खोले जाएंगे। पिछड़े वर्गों और अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति को दोगुना किया जाएगा। खेल और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक प्रखंड में आउटडोर स्टेडियम बनाए जाएंगे और साइबर अपराध रोकने के लिए डेटा सेंटर स्थापित किए जाएंगे। हर जिले में होम स्टे योजना को बढ़ावा दिया जाएगा और महिला गाइडों की नियुक्ति की जाएगी। ऊर्जा क्षेत्र में भी बिहार सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नहरों के किनारे सोलर प्लांट लगाने की घोषणा की है, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का फंड बनाया जाएगा। पूर्णिया हवाई अड्डे से अगले तीन महीनों में उड़ान शुरू होने की घोषणा की गई है। वहीं भागलपुर, सहरसा, मुंगेर, बीरपुर में नए एयरपोर्ट बनेंगे। मुजफ्फरपुर, वाल्मी किनगर में एयरपोर्ट बनेंगे। सुल्तानगंज, रक्सौल में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनेंगे। बिहार सरकार के इस बजट में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, खेल और तकनीकी विकास, तथा ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार पर जोर दिया गया है। विधानसभा चुनाव से पहले यह बजट सरकार की विकासशील सोच को दर्शाता है।

बिहार के इस बजट में किसानों, उद्यमियों, युवाओं एवं महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखा गया है : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। आज बिहार विधानसभा में उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री श्री सम्राट चौधरी द्वारा पेश किये गये बिहार के वित्तीय बजट 2025-26 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के इस बजट में किसानों, उद्यमियों, युवाओं एवं महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखा गया है। इस साल बिहार का बजट 3 लाख 17 हजार करोड़ रूपये का है। बिहार की विकास दर 14.5 प्रतिशत रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तुत बिहार बजट (2025-26) न्याय के साथ विकास के हमारे संकल्प को मजबूत करेगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य सरकार अपने राजकोषीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से बिहार के आर्थिक विकास को गति देगी। सड़कों का चौड़ीकरण कर आवागमन की सुविधा को बेहतर किया जायेगा। युवाओं को रोजगार देने के हमारे प्रयास जारी रहेंगे। हम सरकारी नौकरी के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कृ तसंकल्पित हैं, इसके लिए वित्तीय संसाधनों की कमी नहीं होने दी जायेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में हमारे प्रयास से हुये विकास को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान इस बजट में किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था को समावेशी, तीव्र एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बिहार बजट 2025-26 अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा, जहाँ एक ओर हर जिले को 4-लेन सड़क से जोड़ा जायेगा, वहीं राज्य के लोगों के लिये सस्ती एवं सुलभ वायु सेवा उपलब्ध कराने के लिये बजट में कई प्रावधान किये गये हैं। विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना से राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणात्मक सुधार आयेगा। निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार हमेशा तत्पर रही है और इस बजट में इसके लिए कई नई नीतियों के साथ बड़े और महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर इस बजट में किसानों, उद्यमियों, युवाओं एवं महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखा गया है। यह एक सम्पूर्ण, समावेशी एवं विकास को बढ़ावा देने वाला बजट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 23 जुलाई 2024 को केन्द्र में नई सरकार के गठन के पश्चात् पेश किये गये बजट में बिहार को विशेष आर्थिक मदद दी गयी थी। पुनः 01 फरवरी 2025 को वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा केन्द्रीय बजट 2025 में बिहार की विभिन्न विकास योजनाओं तथा बिहार के लोगों के हित का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके लिये आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद। केन्द्र सरकार की इस सहायता तथा राज्य सरकार के अपने बजटीय प्रावधानों से बिहार के विकास को और गति मिलेगी और बिहार नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

नीतीश सरकार का सर्वस्पर्शी बजट 'समृद्ध बिहार' के संकल्पना को मूर्त रूप देगा : उमेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने नीतीश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट 2025-26 को सर्वस्पर्शी, समावेशी और लोक-कल्याणकारी बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, कृषि, उद्योग, अधो-संरचना निर्माण, रोजगार सृजन और युवा कल्याण सहित तमाम क्षेत्रों के लिए बजट में महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जो कि प्रदेश के विकास को अभूतपूर्व गति प्रदान करेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है, जो कि वित्तीय वर्ष 2005-06 से 17 गुणा अधिक है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए एक हजार करोड़ का राशि तय किया गया है। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को उच्च शिक्षा से जोड़ने में कारगर साबित होगा। छात्रों को मिलने वाली प्री-मैट्रिक छात्रवृति दर को दोगुना करने का निर्णय ऐतिहासिक और सराहनीय है। साथ ही अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रवास अनुदान को भी दोगुना किया गया है। श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश के बड़े शहरों में पिंक बस सर्विस शुरू होगी। जिसमें सवारी, ड्राइवर और कंडक्टर महिलाएं होंगी। महिला चालकों को ई-रिक्शा और दो पहिया गाड़ी खरीदने के लिए भी सरकारी अनुदान दिया जाएगा। इसके साथ ही आधी आबादी की सामाजिक सुरक्षा को देखते हुये कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु महिला हाट की स्थापना का कदम स्वागतयोग्य है।

बिहार सरकार का बजट निराशाजनक : रालोजपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने बिहार सरकार के बजट को पूरी तरह निराशाजनक बताया।उन्होंने कहा कि सोमवार को बिहार विधानसभा में जो बजट पेश किया गया है, उससे राज्य का कोई भला नहीं होने वाला। बिहार को विकसित राज्य बनाने, पलायन रोकने और राज्य में निवेश लाने के लिए किसी ठोस योजना का उल्लेख नहीं किया गया है। इसके अलावा, उद्योगों और कल-कारखानों की स्थापना को लेकर भी बजट में कोई ठोस पहल नहीं की गई है।अग्रवाल ने कहा कि बिहार में लंबे समय से बंद पड़ी सीमेंट फैक्ट्री, चीनी मिल, जूट मिल और अन्य बड़ी फैक्ट्रियों के पुनरुद्धार के लिए बजट में कोई चर्चा नहीं की गई। आज भी बड़ी संख्या में लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं, लेकिन गरीबी उन्मूलन के लिए भी कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया।राज्य में पढ़े-लिखे युवाओं की बड़ी तादाद मौजूद है, लेकिन उनके लिए रोजगार सृजन को लेकर भी बजट में कोई उल्लेखनीय प्रावधान नहीं किया गया। बिहार की आम जनता की आय कैसे बढ़े, राज्य बीमारू स्थिति से बाहर आकर एक विकसित राज्य कैसे बने—इसका कोई ठोस रोडमैप इस बजट में देखने को नहीं मिला।

बिहार के निर्माण की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा : जदयू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव द्वारा स्वयं को नौजवान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 75 बार वर्षीय राजनेता बताकर नीतीश कुमार के बजाय उनके वायदों पर यकीन करने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार में तेजस्वी की दाल नहीं गलने वाली है क्योंकि आज भी जनता श्री नीतीश कुमार को एक ऐसा मुख्यमंत्री मानती है, जिसने जो भी वायदे किए उसे हर बार पूरा किया है। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि बिहार विधानसभा में पेश 2025-26 का बजट नीतीश कुमार के सपनों के बिहार के निर्माण की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा। पूरा बजट नीतीश कुमार की विकासवादी सोच और बिहार को विकसित बनाने की उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति का ज्वलंत दस्तावेज है। खासकर एससी एसटी छात्रों और महिलाओं के सशक्तिकरण के संदर्भ में इस बजट को हमेशा याद किया जाएगा। महिलाओं के रोजगार से लेकर उनके सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में ऐसे ऐसे प्रावधान किए गए हैं जिनके बारे में केवल नीतीश कुमार ही सोच सकते हैं। वहीं जदयू प्रवक्ता परिमल कुमार ने विधानसभा में पेश इस साल के बजट को जुमला कहे जाने पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को शायद बजट की समझ नहीं है और हताशा में वो इस तरह का बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में पेश इस साल का आम बजट राज्य के सभी तबकों की बेहतरी के लिए समर्पित है और इस बजट में समाज के हर तबके का ध्यान रखा गया है। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि बजट पर सवाल उठाने से पहले उन्हें अपने माता-पिता के शासनकाल के दौरान बिहार के बजट की जानकारी लेनी चाहिए और तभी बजट पर सवाल उठाना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 में यानि लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में बिहार के बजट का आकार 23 हजार 885 करोड़ रुपये था, जो 2025-26 में बढ़ कर 3 लाख 16 हजार 895 करोड़ रुपये हो चुका है। यानी इस दौरान बजट का आकार 13.27 गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हकीकत ये है कि आरजेडी को लोगों के कल्याण से कोई मतलब नहीं था और सरकार के हर विभाग की क्या हालत थी ये सबों को पता है।इसके अलावा जदयू के प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव ने इस साल के आम बजट को पिछड़ों, अतिपिछड़ों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं के उत्थान का बजट बताते हुए वित्त मंत्री सम्राट चैधरी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में किसानों की बेहतरी के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। किसानों के उत्पाद जैसे अरहर, मूंग, उड़द जैसे फसलों की खरीद एमएसपी पर किए जाने की घोषणा की गयी है। वहीं सभी अनुमंडलों एवं सभी प्रखंडों में कोल्ड स्टोरेज की स्थापना किए जाने की घोषणा की गई है साथ ही बाजार समिति के पुनर्निर्माण की घोषणा की गई है जो किसानों के हित के लिए काफी लाभकारी होगा। जनता दल युनाइटेड के नेता राजेश तिवारी ने कहा कि इससे प्रदेश का समग्र और चहुंमुखी विकास होगा। बजट महिलाओं नौजवानों, किसानों और सर्व समाज के हितों को सर्वोपरि रखते हुए तैयार किया गया है। राज्य के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के इतिहास में यह नए अध्याय जोड़ेगा।

बिहार बजट में शिक्षा, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य को मिला सबसे बड़ा हिस्सा : नंदन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को पूर्व विधान पार्षद और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रो. रणबीर नंदन ने ऐतिहासिक बताया है। प्रो. नंदन ने कहा कि बिहार सरकार ने 2025-26 के बजट में विकास की नई रूपरेखा पेश की है, जहां शिक्षा, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई है। उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी द्वारा प्रस्तुत बजट में कई अहम बातें सामने आई हैं, जो बिहार की आर्थिक और सामाजिक संरचना को नए आयाम देने की क्षमता रखती हैं। प्रो. नंदन ने कहा कि बजट में शिक्षा विभाग को स्कीम मद में 22,700.35 करोड़ रुपये (19.44%) का आवंटन किया गया है, जो किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में सबसे अधिक है। इससे स्पष्ट है कि सरकार राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और छात्रों को अधिक संसाधन देने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं ग्रामीण विकास विभाग को स्कीम मद में 15,586.43 करोड़ रुपये (13.35%) का बजट आवंटित किया गया है। इससे गांवों में सड़क, पेयजल, सिंचाई और रोजगार के साधनों में सुधार होने की उम्मीद है। इसके अलावा, ग्रामीण कार्य विभाग को योजना मद में 8,789.13 करोड़ रुपये (7.53%) मिले हैं, जिससे बिहार के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। प्रो. नंदन ने कहा कि बिहार सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को योजना मद में 10,298.78 करोड़ रुपये (8.82%) आवंटित किए हैं। यह बजट राज्य में अस्पतालों के आधुनिकीकरण, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और गरीबों को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद करेगा। सरकार ने समाज कल्याण विभाग को योजना मद में 8,668.25 करोड़ रुपये (7.42%) दिए हैं, जिससे गरीब, वृद्ध, महिला और बाल विकास योजनाओं को गति मिलेगी। वहीं, नगर विकास एवं आवास विभाग को 6,400 करोड़ रुपये (5.48%) का आवंटन किया गया है, जिससे शहरों में आधारभूत संरचना, स्वच्छता और यातायात व्यवस्थाओं को सुधारने की दिशा में काम किया जाएगा।

चुनौतियों को अवसर में बदलेगा बजट : विजय सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

» बजट के आकार में 11 गुणा बढ़ोतरी एनडीए सरकार की बड़ी उपलब्धि

पटना। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस बजट से चुनौतियों को अवसर में बदलने का पूरा प्रयास किया गया है। उन्होंने बजट को 'विकास की निरंतरता' का बजट बताते हुए कहा कि इसमें विकसित बिहार बनाने का 'विजन' और 'विश्वास' दोनों समाहित है। श्री सिन्हा ने कहा कि तकरीबन 3 लाख 17 हजार करोड़ के बजट आकार के साथ इस बार के बजट में पिछले साल की तुलना में 38,100 करोड़ से ज्यादा की वृद्धि हुई है। 2005 में जब पहली बार एनडीए सरकार बनी थी, उस समय से राज्य के बजट में 11 गुना की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। साथ ही इस बार के बजट में हमारी डबल इंजन की सरकार ने वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की प्रगति का भी रोडमैप पेश किया है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि राज्य में कृषि, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता, अवसंरचना, 'क्लीन और ग्रीन' विकास की तेज पहल के लिए इस बजट को याद किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बाजार समिति के आधुनिकीकरण, ब्लॉक स्तर पर कोल्ड स्टोरेज के विकास से कृषि आय में गुणात्मक वृद्धि होगी। वेजफेड के माध्यम से 'तरकारी सुधा' की पहल एक परिवर्तनकारी कदम साबित होगा। कहा कि महिला हाट , औद्योगिक प्रोत्साहन नीति, बायोफ्यूल उत्पादन प्रोत्साहन नीति और खाद्य प्रसंस्करण नीति जैसे कार्यक्रम विकसित बिहार के आधारस्तंभ साबित होंगे। इस बजट में 'बिहार ग्रीन डेवलपमेंट फंड' की घोषणा को भविष्य की चुनौतियों को अवसर में बदलने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम माना जायेगा। श्री सिन्हा ने कहा कि देश के चुनिंदा शहरों में माइग्रेशन काउंसलिंग सेंटर की स्थापना, पीपीपी पर आधारित मेडिकल कॉलेज का निर्माण, फार्मास्युटिकल क्षेत्र को बढ़ावा देने के नीतिगत प्रयासों से हमारी श्रमशक्ति की गुणवत्ता और गतिशीलता दोनों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार प्रदेश चौरसिया समाज का होली समारोह 09मार्च को

पटना। बिहार प्रदेश आदर्श चौरसिया महासभा के प्रदेश कार्य समिति की बैठक,मीठापुर बस स्टेंड कार्यालय भवन में बैठक आयोजित किया गया। जिस में सर्व सम्मति से आगामी 9 मार्च 25 को दिन में 11 बजे होली मिलन समारोह सह रंगारंग कार्यक्रम श्री राज ट्रस्ट अस्पताल में आयोजित करने का निर्णय लिया क्या गया। बैठक में बिहार प्रदेश के अध्यक्ष,डॉ एन पी प्रियदर्शी, मुख्य सलाहकार,इंजीनियर आर के प्रसाद चौरसिया, संजय कुमार चौरसिया,अशोक चौरसिया,रामेश्वर चौरसिया,प्रवीण चौरसिया,अर्जुन कुमार चौरसिया ,पवन कुमार चौरसिया,अशोक कुमार नागवंशी आदि शामिल थे।

फणीश्वरनाथ रेणु जयंती समारोह का भव्य आयोजन आज पटना में

पटना। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार तथा बिहार संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में प्रसिद्ध साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु जी की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह 4 मार्च 2025 को संध्या 5:30 बजे प्रेमचंद रंगशाला, राजेंद्र नगर, पटना में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन कला, संस्कृति एवं युवा मंत्री मोतीलाल प्रसाद करेंगे। समारोह के अंतर्गत ह्लहिंदी साहित्य में रेणुजी की रचनात्मकता विषय पर परिचर्चाह्व आयोजित होगी, जिसमें जाने-माने वक्ता प्रेम कुमार मणि (पूर्व सदस्य, बिहार विधान परिषद), दक्षिणेश्वर राय, श्हबीबुल्लाह सुमन, सुरेंद्र नारायण यादव और डॉ. विनोद कुमार मंगलम शामिल होंगे। इसके साथ ही ह्लनाट्य मंचनह्व के अंतर्गत फणीश्वरनाथ रेणु की मूल कहानी पर आधारित नाटक ह्लपंच लाइटह्व का मंचन किया जाएगा। इस नाटक का नाट्य रूपांतरण, परिकल्पना और निर्देशन पुष्प प्रकाश ने किया है। नाटक का प्रस्तुतीकरण दस्तक, पटना द्वारा किया जाएगा।इस आयोजन के द्वारा फणीश्वरनाथ रेणु जी के साहित्यिक योगदान को याद किया जाएगा और उनकी रचनाओं को मंच के माध्यम से जीवंत होते लोग देखेंगे।

कृषि मंत्री ने कृषि विभाग का कार्यभार ग्रहण किया

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री, कृषि विभाग, बिहार विजय कुमार सिन्हा ने नया सचिवालय अवस्थित कृषि मंत्री के कार्यालय कक्ष में कृषि विभाग का कार्यभार ग्रहण किया। कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने पुष्प गुच्छ देकर उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री का स्वागत किया। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि कृषि आधारित बिहार की प्रगति प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का सपना है। राज्य की लगभग 76 प्रतिशत आबादी की आजीविका कृषि पर आधारित है। यहाँ के किसान, महिला, युवा और गरीब कृषि पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आश्रित हैं। कृषि के क्षेत्र में रोजगार का अवसर सृजित कर हम इन सभी को मजबूत एवं सशक्त बनायेंगे। बिहार की मजबूत नीव कृषि विभाग के द्वारा रखी जायेगी, जिससे किसानों का कल्याण और उत्थान किया जायेगा। इस वर्ष देश के प्रधानमंत्री ने मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड बनाने की घोषणा की है, यह मखाना उत्पादन, प्रसंस्करण, वैल्यू एडिशन तथा विपणन जैसे हर पहलू में किसानों को मद्द करेगा। उन्होंने बताया कि बिहार के किसान बिहारी योद्धा के रूप में आगे बढ़कर राज्य का नेतृत्व करेंगे। बिहारी शब्द को कृषि क्षेत्र सम्मान, समृद्धि और स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार भी दिलायेगा। राज्य के किसानों की मेहनत से उपजा हुआ हर फसल देश के प्रत्येक थाली तक पहुँचेगा। इस संकल्प को अनुसंधान एवं नई तकनीक के माध्यम से सार्थक बनाया जायेगा। श्री सिन्हा ने कहा कि किसानों की खुशहाली सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने के साथ-साथ इनकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। साथ ही, किसानों के हित में कार्यान्वित की जा रही सरकार की योजनाओं को समय से जमीन पर उतारा जायेगा। बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है और कृषि यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राज्य के जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 19 प्रतिशत है। इसलिए बिहार के विकास के लिए कृषि का विकास सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

बजट प्रगति पथ पर बिहार के विकास को रफ्तार देने वाला :डा सुनील

पटना। इण्डियन इन्जीनियर्स फेडरेशन (पूर्वी) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार अभियन्त्रण सेवा संघ के पूर्व महासचिव डा सुनील कुमार चौधरी ने बिहार के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट नये बिहार के विकास को रफ्तार देने वाला परन्तु अभियंताओ को निराश करने वाला है।उन्होने आगे बताया कि इन्फ्रास्टक्चर क्षेत्र मे बजट मे भारी प्रावधान , शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं आइटी सेक्टर पर विशेष जोर बिहार के समावेशी विकास की कल्पना को मूर्त रूप देने की दिशा मे मील का पत्थर साबित होगा।आर्थिक प्रगति को नई दिशा मिलेगी,रोजगार के अवसर पैदा होगे, आवागमन सुगम होगा,आम आदमी के पर कैपिटा इनकम मे बढोत्तरी होगी जो बिहार को भारत के मानचित्र पर नयी पहचान दिलायेगा।उन्होने इस बजट को माननीय मुख्यमंत्री के सपना "सुरक्षित बिहार:विकसित बिहार" को साकार करने वाला बताया। डा चौधरी ने आगे बताया कि इस बजट मे अभियंताओ के हितो की अनदेखी की गई है। उन्होने कहा कि सरकार 50 प्रतिशत से कम अभियंता बल से विकास कार्य पर 100 प्रतिशत राशि का खर्च कैसे कर पायेगी-इस पर सरकार अपना स्पष्ट दृष्टिकोण रखने में असफल रही है। कमरतोड़ महंगाई एवं बुनियादी सुविधाओं से वंचित कार्य बोझ तले दबे हुए भय के साये में जीने को मजबूर दमनकारी नीतियों के द्वारा प्रताड़ित अभियंताओ से विकास की नई गाथा लिख आत्मनिर्भर बिहार की बात करना काल्पनिक सोच साबित हो सकता है।

शिक्षा पर सबसे ज्यादा खर्च, कृषि पर मात्र 1.11 फीसदी होगा व्यय

पटना। उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा विधानमंडल में 3 लाख 17 हजार करोड़ का वित्त बजट में सबसे ज्यादा धन राशि शिक्षा पर खर्च कर रही है। कुल बजट का 19.24 फीसदी हिस्सा अकेले शिक्षा विभाग का है। इस वर्ष के बजट में शिक्षा विभाग का कुल बजट 60 हजार 964 करोड़ हुए है। वहीं बिहार में भले ही सबसे बड़ी आबादी खेती पर निर्भर हो लेकिन कृषि विभाग का कुल बजट मात्र 1.11 फीसदी है जो मात्र 3 हजार 528 करोड़ रुपए है। बजट 2025-26 में धनराशि के मामले में शीर्ष विभागों में शिक्षा 60 हजार 974 करोड़, स्वास्थ्य 20 हजार 335 करोड़, पथ निर्माण 17 हजार 908 करोड़, गृह विभाग 17 हजार 831 करोड़, ग्रामीण कार्य विकास 16 हजार 43 करोड़ और उर्जा विभाग 13 हजार 484 करोड़ रुपए का है। इसके अतिरिक्त शहरी विकास एवं आवास का बजट 11 हजार 982 करोड़, पंचायत राज का 11 हजार 302 करोड़, ग्रामीण कार्य का 11 हजार 101 करोड़ रुपए है। इसके अतिरिक्त सभी विभागों का बजटीय आवंटन 10 हजार करोड़ रुपए से कम है। सबसे कम 10.71 करोड़ का बजट संसदीय कार्य विभाग का है।

बिहार बजट 2025-26: वादों का जाल, हकीकत से कोसों दूर : प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन ने आज बिहार बजट 20 25 के पेश होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया जिसमें गांधीवादी प्रेम कुमार जी ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2025-26 का 3.17 लाख करोड़ का बजट जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाता। सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बुनियादी ढांचे, महिला सशक्तिकरण और औद्योगिक विकास के बड़े-बड़े वादे किए हैं, लेकिन पिछले बजटों की तरह इस बार भी योजनाओं का ज़मीनी क्रियान्वयन संदिग्ध है। मुख्य आलोचनात्मक बिंदु पर विचार करते हुए गांधीवादी प्रेम कुमार जी ने कहा कि शिक्षा में सुधार का दावा, लेकिन शिक्षकों की भारी कमी एक विरोधावाद है ,सरकार ने शिक्षा के लिए 60,964 करोड़ का बजट रखा है, लेकिन राज्य में आज भी लाखों शिक्षकों की कमी बनी हुई है तथा सरकारी स्कूलों की हालत बदतर है, शिक्षकों को नियमित वेतन नहीं मिल रहा, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल कागजों पर सीमित रह गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के दावे पर सवाल के दावे पर गांधीवादी कुमार ने कहा कि 20,335 करोड़ का बजट आवंटित होने के बावजूद, बिहार में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई हुई हैं। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और आवश्यक दवाओं की कमी बनी हुई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत जर्जर है और ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं आज भी उपेक्षित हैं। किसान हितैषी बजट या सिर्फ चुनावी वादे ? की बात करते हुए गांधीवादी प्रेम कुमार ने कहा कि सरकार ने किसानों को अरहर और मूंग की खरीद MSP पर करने का वादा किया है, लेकिन अतीत में भी ऐसे वादे अधूरे रहे। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 1,289 करोड़ का प्रावधान नाकाफी है, जबकि बिहार का अधिकांश हिस्सा कृषि पर निर्भर है। बुनियादी ढांचे में सुधार के खोखले दावे पर गांधीवादी प्रेम कुमार ने कहा कि सरकार ने 7 नए हवाई अड्डे बनाने की बात कही है, जबकि राज्य के कई जिलों में अब तक सड़क और रेल संपर्क भी ठीक से विकसित नहीं हुआ है। 2027 तक राज्य के किसी भी जिले से पटना 4 घंटे में पहुंचने का वादा अव्यवहारिक लगता है, क्योंकि कई सड़कों की हालत दयनीय है और पिछली परियोजनाएं अभी भी अधूरी हैं। श्री कुमार ने महिला सशक्तिकरण केवल दिखावे के लिए है, महिला सिपाहियों के लिए आवास सुविधाएं देने की घोषणा स्वागत योग्य है, लेकिन महिला सुरक्षा की बुनियादी समस्याओं पर कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। महिलाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के दावे हकीकत में जमीन पर नहीं उतरते। श्री कुमार ने कहा कि औद्योगिक विकास और रोजगार पर कोई ठोस रणनीति नहीं है ! बिहार में निवेश आकर्षित करने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है, जिससे बेरोजगारी की समस्या बनी रहेगी। ऊर्जा क्षेत्र के लिए 13,484 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है, लेकिन बिजली संकट और ट्रांसमिशन की समस्याओं पर कोई ठोस रोडमैप नहीं दिया गया। अंत में प्रेम जी ने बिहार सरकार की विफलता का बजट बताया और कहा कि यह बजट लोकलुभावन घोषणाओं से भरा हुआ है, लेकिन इसमें कोई ठोस नीति या कार्ययोजना नहीं दिखती जिससे बिहार की आम जनता को वास्तविक लाभ मिल सके। पिछले वर्षों के बजटों की तरह, यह भी सिर्फ कागजी वादों का पुलिंदा साबित हो सकता है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना परिसर में तीन दिवसीय पासपोर्ट सेवा मोबाईल वैन कैम्प का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» एम्स निदेशक ने इस पहल की सराहना की

पटना। डॉक्टरों की अमूल्य सेवाओं को देखते हुए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना द्वारा सराहना के रूप में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में लगभग 165 संस्थान के सदस्यों एवं डॉक्टरों के लिए दिनांक 03 से 05 मार्च, 2025 तक एम्स, पटना के परिसर में पासपोर्ट सेवा मोबाईल वैन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप का आयोजन भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना पासपोर्ट आपके द्वार के तहत किया जा रहा है। यह पासपोर्ट सेवा मोबाईल वैन कैंप भारत के किसी भी एम्स में प्रथम एवं पिछले 6 महिनों में सातवां कैंप है। इस कैंप में नये (Fresh) एवं पुनर्निगमन (Re-issue) पासपोर्ट आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इस कैम्प के लिए प्रतिदिन 55 अप्वाइंटमेंट स्लॉट जारी किए जाएंगे। ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन तथा अधिक जानकारी के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट www.passportindia.gov.in को देखें। आवेदकों को इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए ऑनलाईन आवेदन भरकर निर्धारित शुल्क जमाकर पासपोर्ट मोबाईल चैन, एम्स, पटना के लिए अप्वाइंटमेंट लेना होगा एवं लिए गए नियत दिन एवं समय पर आवश्यक कागजातों की मूलप्रति एवं स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रति लेकर फोटो, उँगलियों के निशान एवं आवेदन तथा मूल प्रमाणपत्रों की जांच हेतु एम्स, पटना के परिसर में खड़ी पासपोर्ट मोबाईल वैन के समीप सशरीर उपस्थित होना होगा। जरूरी कागजात संबंधी जानकारी के लिए आवेदक उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं। इस कैम्प में पीसीसी हेतु आवेदन, किसी कारण अथवा प्रमाणपत्र हेतु रोके गए आवेदन एवं बिना पूर्व में ऑनलाईन समय लिए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना आगे भी ऐसी ही सेवाएं प्रदान करते रहने हेतु वचनबद्ध है। इसकी जानकारी क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी,पटना ने दी।

अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता में सजी सुरों और संगीत की महफिल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सचिवालय स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड, भारत सरकार के मार्गदर्शन में 'अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता 2024-25' का आयोजन के छठे शानदार प्रस्तुतियां दी गई। यह आयोजन उर्जा ऑडिटोरियम, राजवंशी नगर, पटना, बिहार में किया जा रहा है। कल पुरस्कार वितरण समारोह के साथ यह प्रतियोगिता समाप्त हो जाएगी । समापन समारोह में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह तथा ऊर्जा विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल भी उपस्थित रहेंगे । आज शेड्यूल के अनुसार कुल चार विधाओं में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पहली विधा जिसमें प्रतियोगिता का आयोजन हुआ ' हिंदुस्तानी क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल' था। इसमें कुल दस प्रतिभागी थे। समय सीमा 10 मिनट निर्धारित थी। इसी समय सीमा के भीतर प्रतिभागियों को मंच पर अपनी प्रस्तुति सम्पन्न करनी थी। दूसरी विधा जिसमें प्रतियोगिता हुई वह ' हिंदुस्तानी लाइट क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल' था। इसमें बारह प्रतिभागी थे। पिछली प्रतियोगिता की तरह ही इसमें भी समय सीमा निर्धारित थी जो कि पांच मिनट थी। इस विधा में भी एक से बढ़कर एक प्रस्तुति सुनने और देखने को मिली। तीसरी विधा जिसमें प्रतियोगिता हुई 'हिंदुस्तानी क्लासिकल वोकल' थी। इसमें कुल ग्यारह प्रतिभागी थे जिन्होंने अपनी प्रस्तुति बारी-बारी से मंच पर प्रस्तुत किया। इसमें दस मिनट का समय निर्धारण था। इस विधा में भी कई बेहतरीन प्रस्तुतियां ने दर्शकों का मन मोह लिया । चौथी और अंतिम विधा जिसमें प्रतियोगिता का आयोजन हुआ वह 'हिंदुस्तानी लाइट क्लासिकल वोकल' था। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों के कुल सोलह अधिकारियों ने हिस्सेदारी ली। इसकी प्रस्तुति के लिए प्रत्येक प्रतिभागी हेतु 5 मिनट का समय निर्धारित था। अलग-अलग राज्यों से आए सिविल सेवा के पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत कर आयोजकों तथा बिहार राज्य की काफी तारीफ की। कल समापन समारोह के साथ ही वे इन यादों को सहेज कर अपने-अपने राज्यों में ले जाएंगे।

शिवी कम्युनिटी हॉल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजधानी पटना के शिवी कम्युनिटी हॉल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह का आयोजन मोहाये इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, सिटीजेन केयर ग्रुप, रिलायबल इंडिया के एमडी विनय पाठक और शिवी फाउंडेशन की सचिव श्रीमती मधु मंजरी ने साथ मिलकर किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर की गयी। मौके पर अतिथि के रूप में अयोध्या भरतकुंड के महाराज जी उपस्थित रहे। इसके अलावा जानीमानी पार्श्वगायिका देवी, निशा उपाध्याय,गोल्डमैन प्रेम सिंह,वीणा मानवी, अंकिता झा, दीपक कुमार,बबीता मिश्रा, डा. अमृता,ब्रहकुमारी से संगीता जी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अजनबी आाकाश ने किया। होली मिलन समारोह ने लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्याक्रम का भी आयोजन किया गया जिसे लोगों ने बेहद पसंद किया। कार्यक्रम में देवी, निशा उपाध्याय अभिलाषा सिन्हा, गुड्डु पाठक समेत कई कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर लोगों का दि जीत लिया इस अवसर पर विनय पाठक ने कहा कि होली मिलन समारोह एकता का प्रतीक है। यह त्योहार गिले-शिकवे को दूर करने का है। पुराने गिले-शिकवे को भूलकर एक-दूसरे को गले लगाया जाता है। होली का रंग ऐसा रंग है जिसमें सभी मस्त मगन होकर नाचते और गाते हैं साथी एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर शुभकामनाएं देते हैं। मोहाये इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड की एमडी ज्योति सिंह कहा कि होली रंगों का त्योहार होने के साथ-साथ भाईचारे को बढ़ावा देने वाला त्योहार है। होली, दीपावली, ईद आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं। यह त्योहार आपसी सद्भावना का प्रतीक है। सारे भेदभाव भूलाकर उसे मनाना चाहिए। होली का त्योहार रंगों का त्योहार होने के साथ साथ आपसी प्रेम भाईचारे एवं सौहार्द का त्योहार है।

तेली अधिकार सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना पटना गाँधी मैदान के नजदीक श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में सम्पन्न हुआ जिसमें तेली समाज के केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार श्री तोखन साहू,छत्तीसगढ के उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव,बिहार सरकार में मंत्री श्री मोती लाल प्रसाद,पूर्व M.L.C लाल बाबू प्रसाद,पूर्व मंत्री श्री रामनारायण मंडल,छपरा विधायक डा. श्री C.N गुप्ता,विधायक रामचन्द्र प्रसाद भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलिप जायसवाल पटना के मेयर श्रीमति सीता साहु एवं राज्य सभा सांसद श्रीमति धर्मशीला गुप्ता के साथ समाज के और भी अनेकों बड़े-बड़े नेता मौजूद थे।समाज के सभी माननीय का भव्य स्वागत किया गया। समाज के सभी लोगों ने इस मंच से सभी पार्टियों से तेली समाज को आवादी के अनुसार राजनीति में हिस्सेदारी देने की बात कही।सभागार में हजारों-हजार लोग मौजूद थे सभा का नेतृत्व श्री नितिन अभिषेक साहू एवं भीम साहु कर रहे थे।धन्यवाद!

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ महिला उद्यमी फागुनोत्सव -2025, अंतिम दिन लोगों ने की जमकर खरीदारी

नई सोच एक्सप्रेस

» भारत के निर्माण में महिला उद्यमिता की अहम भूमिका : नितीश मिश्रा

पटना। बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित महिला उद्यमी फागुनोत्सव - 2025 का समापन समारोह ज्ञान भवन में संपन्न हुआ। 27 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित इस मेले में पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आसाम, कश्मीर, झारखंड,बिहार सहित अन्य राज्यों की सैकड़ों महिला उधमियों ने हिस्सा लिया। मेले के समापन के दिन पटनावासिओं ने जमकर खरीदारी की। एमएसएमई, सिडबी, नाबार्ड और डब्लूसीडीसी के सहयोग से आयोजित इस मेले में कुल 200 स्टॉल्स लगाए गए थे जिनकी कुल बिक्री 1 करोड़ 93 लाख रही। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नितीश मिश्रा ने इस सफल आयोजन के लिए बिहार महिला उद्योग संघ को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमियों ने इस मेले में स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों का अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के निर्माण में महिला उद्यमिता की अहम भूमिका रही है। आज महिलाएं उद्यम सहित अन्य सभी क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं और सशक्त हो रही हैं। उन्होंने अपने संबोधन में बजट को लेकर भी चर्चा की। वहीं विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि इस मेले को लेकर लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया रही। जबकि बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने कहा कि ऐसे आयोजन से महिलाओं का हौसला बढ़ता है और वो बड़े स्तर पर अपने द्वारा तैयार किये हुए उत्पादों का प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने बताया कि इस पांच दिवसीय मेले में लोगों की अच्छी भीड़ रही। इस मेले में अनु बिजपुरिया के स्टॉल को प्रथम स्थान, सुष्मिता सिन्हा एवं प्रिया रंजन को दूसरा व रश्मिका को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष हम पुनः इस मेले का बड़े स्तर पर आयोजन करेंगे। कार्यक्रम में नाबार्ड के डीजीएम सतपाल आजाद, बीआईएस पटना के निदेशक संतोष सुमन, एमएसएमई डीएफओ पटना के सहायक निदेशक सुनील अग्निहोत्री, डब्लूसीडीसी के निदेशक राजीव वर्मा, बिहार म्यूजियम के सहायक निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिहार महिला उद्योग संघ की उपाध्यक्ष इंदु अग्रवाल, किरण रंजन, कार्यकारी निदेशक साधना झा, सचिव मेनका सिन्हा, कोषाध्यक्ष अंकिता तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य अम्बिका देव, रुचि चौधरी, नितिका अग्रवाल, प्रियंका सिन्हा, शाम्भवी आदि की मुख्य भूमिका रही।

राज्य की 80 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण महिलाएं हैं जीविका से जुड़ी : सीईओ

नई सोच एक्सप्रेस

» अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

पटना। राज्य की 80-90 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं जीविका परिवार का हिस्सा हैं और महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, महिलाओं एवं लड़कियों के खिलाफ हिंसक व्यव्हार, व्यवसाय एवं आत्मनिर्भरता आदि विषयों पर समुदाय में जागृति की अलख जगा रही हैं। दुखद पहलु यह है कि 40 फीसदी ऐसी महिलाएं ही अपनी बेटियों का विवाह अल्पायु में कर देती हैं। लड़कियों से भेदभाव एवं पोषण में कमी समाज में लैंगिक असमानता का प्रमुख कारण है. हमें अपने घरों में व्याप्त सामाजिक नियमों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। उक्त बातें मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका, बिहार, हिमांशु शर्मा ने जीविका दीदी अधिकार केंद्र: शक्ति एवं समाधान विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कहीं. एक स्थानीय होटल में आयोजित कार्यशाला में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका, बिहार, अभिलाषा कुमारी शर्मा, आयुक्त मनरेगा सह अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका, डॉ. अपराजिता गोगोई, कार्यकारी निदेशक, सी 3, सी 3 के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी प्रकाश कुमार, राज्य के विभिन्न जिलों से आयीं जीविका कर्मी, जीविका एवं सी 3 के अधिकारी एवं कर्मी के साथ सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। महिलाओं के सामाजिक अधिकारों को सुनिश्चित करने एवं लैंगिक समानता को सशक्त करने के उद्देश्य से जीविका ने 2022 में जेंडर रिसोर्स सेंटर की पहल की, जिसे अब दीदी अधिकार केंद्र के रूप में सभी जिलों में विस्तारित किया जा रहा है। 2023 में, 260 प्रखंडों में इन केंद्रों की स्थापना सुनिश्चित की गई, जो महिलाओं को अधिकारों तक प्रभावी पहुंच एवं लैंगिक हिंसा से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. साथ ही दीदी अधिकार केंद्र जच्चा बच्चा कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनाने एवं महिलाओं एवं बच्चों को रेफरल सुविधाओं को पहुंचाने में भी अहम् भूमिका निभाता है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए अभिलाषा कुमारी शर्मा, आयुक्त मनरेगा सह अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका ने कहा लैंगिक समानता सुनिश्चित करके ही लड़कियों एवं महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल तैयार किया जा सकता है. डॉ. अपराजिता गोगोई, कार्यकारी निदेशक, सी 3 ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए लिंग एकीकरण पर जीविका एवं सी 3 की साझेदारी राज्य में साकारात्मक परिणाम लाये इसके लिए सामूहिक स्तर पर प्रयास करने की जरुरत है।

मधुरेश नारायण की लघुकथा संग्रह "नीलकंठ" का लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था "लेख्य मंजूषा ","प्रांगण"एवं "स्पर्श प्रकाशन"के संयुक्त तत्वावधान में मधुरेश नारायण की लघुकथा संग्रह "नीलकंठ" का लोकार्पण आज जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान, पटना के सभागार में समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता एवं लघुकथा संग्रह "नीलकंठ" का लोकार्पण वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार भगवती प्रसाद द्विवेदी ने किया।अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि समाज में फैली विषमताएं,जीवन के कटु अनुभव और संघर्षों की तपिश को आत्मसात करते हुए जो सृजन की राह पर आगे बढ़ता है,वही नीलकंठ कहलाता है।मधुरेश नारायण की इस संग्रह की लघुकथाएं इसे विस्तार देती है। बिहार संग्रहालय के अवर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि मधुरेश जी की लघुकथाएं राजनीतिक अवसरवादिता और समाज में व्याप्त पाखंड को उजागर करती है।ये समाज को साहित्य का दर्पण दिखाती है। इस अवसर पर डा किशोर सिन्हा,डा अनिता राकेश,डा प्रमोद कुमार,डा नरेंद्र पाठक,पूनम कोरियाई,दिव्या रश्मि,शशिन शरण,कमल नयन श्रीवास्तव,रवि श्रीवास्तव,सुनील कुमार,इत्यादि ने भी "नीलकंठ "लघुकथा संग्रह को समाज और साहित्य के लिए उपयोगी बताया और लेखक को बधाई दी।यह राष्ट्र की नई पीढ़ी का पथ आलोकित करेगी। श्री कमलनयन श्रीवास्तव ने कहा कि लघु कथाएं हमारे जीवन का आइना हैं। उन्होंने कहा कि मधुरेश नारायण रचनात्मक साहित्य को प्रकाशमान करने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। समारोह में आगत अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ कवि ई-शुभ चन्द्र सिन्हा ने किया।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अभिनेता एवं रंगकर्मी संजय सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन साहित्य अकादमिक एवार्डी निलेश्वर मिश्र ने किया। आराधना प्रसाद ने सरस्वती वंदना की।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

एआईएसएफ़ ने बजट को बताया गरीब विरोधी और चुनावी लॉलीपॉप

» बिहार बजट 2025 में छात्र-युवाओं, मजदूरों को दरकिनार करना एनडीए सरकार को पड़ेगा महंगाः राहुल कुमार यादव

छपरा। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन बिहार के राज्य नेता राहुल कुमार यादव ने बिहार विधानसभा में पेश बजट पर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त किया है। छात्र नेता राहुल यादव ने कहा कि बिहार विधानसभा में वित्त मंत्री सम्राट चौधरी द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए करीब 3.17 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है लेकिन यह बजट पूरी तरह से चुनावी लॉलीपॉप बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में बिहार के विकास के लिए बेहतर शिक्षा,स्वास्थ्य और युवाओं को नौकरी देने की दिशा में कहीं कोई चर्चा नहीं की गई है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बजट में छात्र, युवाओं, मजदूरों को दरकिनार करना आगे आने वाले दिनों में एनडीए सरकार को बहुत महंगा पड़ेगा। इस गरीब, छात्र, युवा, महिला विरोधी बजट के बाद बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जदयू-भाजपा सहित, एनडीए का सूपड़ा-साफ होना तय है।

सिंघिया में कमला नदी के उड़ाही का मामला विधानसभा में वीरेंद्र कुमार ने उठाया

समस्तीपुर/सिंघिया। जिले के सिंघिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत वारी पंचायत से वस्तिपट्टी बलहा सिमान तक उड़ाही कराने की मांग रोसड़ा विधानसभा के विधायक वीरेंद्र कुमार ने विधानसभा में उठाया। बताते चलें कि समस्तीपुर जिले के सिंघिया प्रखण्ड के उप प्रमुख रिंकू सिंह ने अपने क्षेत्र अंतर्गत वारी से वस्तिपट्टी तक कमला नदी के उड़ाही की मांग को लेकर क्षेत्र की समस्या से लेटर पैड पर लिखकर बिहार सरकार को अवगत कराए। वहीं आज सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान रोसड़ा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक वीरेंद्र कुमार अपने क्षेत्र में कमला नदी के उड़ाही की मांग को लेकर विधानसभा में उठाया।

अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पदाधिकारियों का जिला पदाधिकारी ने वेतन किया स्थगित

जहानाबाद। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय द्वारा कार्यालय से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पदाधिकारियों के विरुद्ध सख्त कारवाई की गई है। जिला मुख्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित घोषी , मखदुमपुर, मोदनगंज, रतनी फरीदपुर, हुलासगंज प्रखंड की बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी द्वारा उनका वेतन स्थगित कर दिया गया है। यह कार्रवाई तब की गई जब पदाधिकारियों से उनके कार्यालय दिवस में लाइव लोकेशन की मांग की गई लेकिन उन्होंने इस आशय की सूचना को साझा नहीं किया । पूर्व में भी स्पष्टीकरण देते हुए चेतावनी निर्गत की गई थी किंतु सुधार ना होने के कारण सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों का वेतन स्थगित किया गया है। उक्त बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों द्वारा मुख्यालय में अनुपस्थिति से संबंधित किसी प्रकार की सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई।

पटना बैठक मे दर्जनों भाजपाई ठाकुरगंज से रवाना हुए

किशनगंज। ठाकुरगंज भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश की प्रदेश परिषद् की बैठक पटना के बापू सभागार मे सम्मलित होने जिला महामंत्री बिजली सिंह ठाकुरगंज भाजपा नगर ग्रामीण से दर्जनों कार्यकर्त्ता रवाना हुए. जिसमें नगर अध्यक्ष अतुल सिंह ग्रामीण अध्यक्ष मुकेश हेमब्रम भाजपा नेता अनिल महराज अरुण सिंह राजेश करनानी वाहन प्रभारी अमित सिन्हा अधिवक्ता कौशल यादव गौरव गुप्ता अनिल साह सुनील सहनी माइकल सोरेन बीरबल शर्मा सुनील हेमब्रम साजन जायसवाल सहित दर्जनों भाजपाई रवाना हुए।

रमजान का पवित्र माह में अकीदतमंदों ने दूसरा रोज़ा किया

» रमजान माह में अल्लाह का रहमत बरसता है मौलाना अंसार अहमद

किशनगंज। रमजान का पवित्र माह सोमवार को अकीदतमंदों ने दूसरा रोजा रखा। पवित्र माह रमज़ान का यह पहला अशरा चल रहा है। वही मौलाना अंसार अहमद रिजवी ने कहा कि रमज़ान मंथ का यह पहला असारा चल रहा है। यह असरा अल्लाह के रहमत का है। इस असरा में रोजेदारों पर अल्लाह पाक की नियामत व रहमत बरसात है। इसमें सब्र व बरकत का महीना भी बताया गया है। सब्र और बरकत ही रोजेदारों को जन्नत तक की सलाह का काम मिलेगा। रोज़े की हालत में इस महीने में अल्लाह पाक से अवाप्त जाने वाली हर डोनाद की मान्यता है और अल्लाह पाक अपनी बंदों का गुनहा माफ कर देते हैं। इस महीने में अल्लाह पाक नेकियों का मर्तबा सत्तर गुना बढ़ गया है। इसलिए इस महीने में अधिक से अधिक नेकी करना चाहिए।

लोगों ने किया बांध निर्माण का विरोध

सुगौली। प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी छपरा बहास के मधुमलती चिकनौटा के बीच सिकरहना नदी बंद कार्य को बांध रोको संघर्ष समिति के लोगों के द्वारा सोमवार को विरोध किया गया। लगातार लोगों द्वारा नदी का बांध बांधने के विरोध में विरोध प्रदर्शन की जा रही है। इसी अभियान के तहत सोमवार को लोगों ने बांध निर्माण कर रहे मजदूरों को कार्य पर रोक लगा दिया। इस दौरान मनोज यादव, पप्पू यादव, प्रदीप प्रसाद, योगी महतो,पवन चौरसिया, इकबाल हुसैन आदि लोगों ने बताया कि अगर बांध का निर्माण हो जाता है तो आसपास के लोगों को काफी परेशानी होगी। इस क्षेत्र के लोग खेती पर ही निर्भर है। बांध के निर्माण हो जाने से खेती नहीं हो सकती है लेकिन इसके लिए कई बार आंदोलन किया जा चुका है। लेकिन अभी तक सरकार के द्वारा से कोई निर्णय नहीं निकल गया है।

आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने फूंका योगी आदित्यनाथ का पुतला

नई सोच एक्सप्रेस

पुतला दहन करते जिलाध्यक्ष शेख नौशाद व अन्य

छपरा। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह भीम आर्मी एकता मिशन प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के ऊपर उत्तर प्रदेश के जिला मथुरा के रिफाइनरी थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्व के गुंडों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। जिसके विरोध में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) सारण एवं भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नगरपालिका चौक पर पुतला दहन किया। जिलाध्यक्ष शेख नौशाद ने कहा कि इस तरह की घटना बेहद निंदनीय और शर्मनाक है। यह हमला न केवल जनप्रतिनिधि पर है बल्कि संविधान और शोषितों ,पिछड़ों,दलितों और अल्पसंख्यकों की मजबूत आवाज पर है।उन्होंने इस घटना में शामिल सभी दोषियों के ऊपर सख्त करवाई के साथ चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की । वहीं भीम आर्मी एकता मिशन के जिला संयोजक राजेंद्र रौशन ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश सरकार दोषियों पर करवाई नहीं करती है तो आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी सड़कों पर उतर कर अपनी लड़ाई खुद लड़ेगी।इस मौके पर पार्टी के नेता इम्तियाज उर्फ गुड्डू खान, कादिर हुसैन, अमीर खान ,अफरोज आलम, कादिर हुसैन,तैयब हुसैन ,भीम राजेंद्र रौशन,नागेंद्र कुमार,अरमान हुसैन, मनीष कुमार,प्रेम कुमार,रंजीत कुमार,दिलीप कुमार ,राज कुमार राम,अवध कुमार, सुरेश प्रभु आदि उपस्थित थे ।

गड़खा में जदयू की बैठक और होली मिलन समारोह आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। गड़खा प्रखंड अंतर्गत राज रिसॉर्ट हॉल में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष मुनेश्वर चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत करने और 2025 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व फिर से बिहार में विकासशील सरकार बनाने को लेकर एन डी ए के जिला, प्रखंड और पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं के साथ बूथ स्तरीय कार्यकताओ साथ एक बैठक आयोजित करते सारण दसों विधानसभा के सभी सीटों पर जीत हासिल कर नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत करने के लिए सभी एनडीए के पदाधिकारियों से निवेदन किया। पूर्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी ने कहा कि एनडीए के सभी प्रतिनिधियों को जीता कर विरोधी को शून्य पर पहुंचाना का सभी लोगों ने एक स्वर में संकल्प लिया है। बैठक में आए सभी सदस्यों और गणमान्य लोगों के साथ पूर्व मंत्री ने होली मिलन समारोह भी आयोजित किया ।इस बैठक में मुख्य रूप से जदयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजु, जदयू जिला उपाध्यक्ष महेश्वर चौधरी, जदयू के वारिष्ठ नेता विकल जी, जदयू जिला अल्पसंख्यक कल्याण के नेता शम्भू मांझी, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष कुसुम रानी, सदर प्रखंड जदयू अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह सहित जिला प्रखंड और पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

शिक्षा सेवक एवं तालीमी मरकज संगठन का बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया की गई

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर/सिंघिया। जिले के सिंघिया प्रखंड में शिक्षा सेवक/तालीमी मरकज संगठन का बैठक बुलाई । बताते चलें पूर्व प्रखंड अध्यक्ष महेश साफी के निजी आवास श्यामपुर पेट्रोल पंप के समीप शिक्षा सेवक/तालीमी मरकज संगठन का बैठक बुलाई गई जिसमें जिला के पर्यवेक्षक साथी जिला अध्यक्ष अनिल कुमार महतो ,जिला सचिव नरेश रजक,जिला कोषाध्यक्ष कैलाश रजक,जिला कमिटी सदस्य सह बिथान प्रखंड अध्यक्ष बलराम रजक और जिला कमिटी सदस्य सह खानपुर प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार महतो जी के निगरानी में अंचल कमिटी का चुनाव हुआ। जिसमें 1 श्याम सुन्दर सरदार प्रखंड अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए । 02 भिखारी बैठा प्रखंड कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए। 03 अनिल कुमार बैठा प्रखण्ड सचिव पद पर रामेश्वर साफी को 12 मतो से हरा कर चुने गए। मनोनीत सदस्य के रुप में 4 सुधीर सदा प्रखंड उपाध्यक्ष चुने गए । 5 सरोज साफी प्रखंड उपाध्यक्ष चुने गए। 6 रामेश्वर साफी प्रखंड संयोजक चुने गए।

अंचल कार्यालयों की रैंकिंग जारी, गोपालगंज जिले का पंचदेवरी अंचल बना जिला टॉपर

नई सोच एक्सप्रेस

» राज्य के सभी 534 अंचल कार्यालयों में राजस्व कार्यों की समीक्षा के आधार पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर जनवरी महीने की रैंकिंग जारी हुई है

पंचदेवरी। राज्य के सभी 534 अंचल कार्यालयों में राजस्व कार्यों की समीक्षा के आधार पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर जनवरी महीने की रैंकिंग जारी हुई है. इसमें गोपालगंज जिले के पंचदेवरी अंचल को जिले में पहला स्थान मिला है , और पूरे बिहार में राजस्व रैंकिंग में पंचदेवरी का 16 वां स्थान मिला है । पूरे राज्य रैंकिंग में कैमूर के रामपुर को पहला और मुजफ्फरपुर के पारू को दूसरा स्थान मिला है. दिसम्बर में पहले स्थान पर गोपालगंज का पंचदेवरी अंचल और दूसरे स्थान पर सीवान का हसनपुरा अंचल कार्यालय था । राज्य रैंकिंग में पहले पायदान कैमूर जिला का रामपुर अंचल 95.28 अंक , दूसरे पायदान पर मुजफ्फरपुर जिले का पारू 95.27 अंक , तीसरे पायदान पर वैशाली जिले का पटेपुर अंचल 93.84 अंक , चौथे पायदान पर औरंगाबाद जिले का हासपुरा अंचल 93.52 अंक , पांचवे पायदान पर वैशाली जिले का महुआ अंचल 93.24 अंक , छठवें पायदान पर बांका जिले का फुलीडूमर 93.09 अंक , सातवें पायदान पर सिवान जिले का हसनपुरा 92.77 अंक , आठवें पायदान पर सीतामढ़ी जिले का बैरगनिया 92.62 अंक , नौंवे पायदान पर मुजफ्फरपुर का मारवाना 92.53 अंक , दसवें पायदान पर सारण जिले का नागरा अंचल 92.13 अंक , 11वें पायदान पर सुपौल जिले का मरौना अंचल 91.81अंक , 12 वें पायदान पर बांका जिले का बांका सदर अंचल 91.67अंक , 13 वें पायदान पर सिवान जिले का मैरवा अंचल 91.15 अंक , 14 वें पायदान पर बांका जिले का शंभूगंज अंचल 91.12 अंक , 15 वें पायदान पर कैमूर जिले का नुआन अंचल 90.77अंक , 16 वें पायदान पर गोपालगंज जिले का पंचदेवरी अंचल 90.72 अंक , 17 वें पायदान पर बांका जिले का बराहाट अंचल 90.64 अंक , 18 वें पायदान पर समस्तीपुर का कल्याणपुर अंचल 90.57अंक , 19 वें पायदान पर शेखपुर जिले का घाट कुसुम्भा अंचल 90 .04 अंक , 20 वें पायदान पर शेखपुरा जिले का चेवड़ा अंचल 89.91अंक रहा । पंचदेवरी सीओ तरुण कुमार रंजन ने बताया कि परिमार्जन प्लस पर मिलते हैं सबसे अधिक अंक । रैंकिंग में अंचल कार्यालयों को म्यूटेशन पर 20 अंक दिये जाते हैं. परिमार्जन प्लस पर सबसे अधिक 25 अंक दिये जाते हैं. अभियान बसेरा पर 15 अंक, आधार सीडिंग पर 2.5 अंक, ऑनलाइन एलपीसी पर 2.5 अंक, ई-मापी पर 15 अंक, अतिक्रमणवाद निबटारे पर पांच अंक, जमाबंदी पर पांच अंक और सरकारी जमीन की इंट्री और वेरीफिकेशन पर 10 अंक दिये जाते हैं ।

क्या कहते हैं जिम्मेवार -आम जनता को अंचल के सभी राजस्व कार्यों में किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए प्रत्येक कार्यदिवस पर कार्यालय में सभी कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की जाती है , जिससे कार्यप्रणाली में क्रमवार सुधार होता रहता है ।

लेट्स इंस्पायर बिहार
राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑर्डिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

मातृभूमि से प्रेम से बढ़ता है युवाओं का आत्मबल

नई सोच एक्सप्रेस

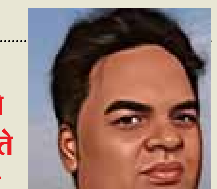

आईपीएस विकास वैभव लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से लगातार विभिन्न क्षेत्रों पर चिन्तन करते हुए बिहार के नव इतिहास को लिखने के लिए संकल्पित हो चुके है।

अकूत मानव ब्रेन संपदा का मालिक आज बिहार हैं। लगभग 10 करोड़ युवाओं के बल पर बिहार अपने सपने को साकार करने के लिए वक्त की दहलीज पर खड़ा हो चुका है। बिहार प्रगति की ओर बढ़ने के लिए तत्पर हो चुका है। बिहार उम्मीद और आशाओं की ओर तेज़ी से करवट लेने लगा है। यह मात्र आईपीएस विकास वैभव के ईमानदार संकल्प से सम्भव प्रतित हो पा रहा हैं। बिहार का विशाल युवा जनसंख्या ही राज्य की ताकत हैं। और, बिहार की आने वाली खुशहाली का आधार स्तम्भ भी युवा शक्ति ही है। बिहार की प्रगति की सभी उम्मीदें और निगाहें युवाओं पर टिकी हैं। इन युवाओं के बल पर ही बिहार भारत का ताज बनने की ओर अग्रसर है। बिहार के समाज को कुशल युवाओं को सुपुर्द करने के लिए आईपीएस विकास वैभव जगह जगह जा कर युवा पीढ़ी को लगातार स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बिहार के लोग सदियों से चिन्तन करते आएं हैं। लेकिन चिन्तन का परिणाम बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, रेल गाड़ी के डब्बे या ग्राम के चौक चौराहे तक ही सीमित रहता था। जिन लोगों के बीच वार्तालाप होता, उनकी संख्या कम होती थीं। आज बिहार का दृश्य कुछ और ही बयान कर रहा हैं। लेट्स इंस्पायर बिहार के माध्यम से लाखों लोग बिहार के उत्थान पर चर्चा करने लगें हैं। बिहार की आबोहवा को शुद्ध रखने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन युवाओं के हृदय में राष्ट्र चेतना को जागृत करने वाले आईपीएस विकास वैभव आशाओं के दीप प्रज्ज्वलित कर समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ला पाने में कामयाब हो गए है। लाखों युवा इनकी प्रेरणा से निः स्वार्थ अपना योगदान बिहार को दे रहे हैं। इनके देवत्व ऊर्जा से ऊर्जा प्राप्त कर शिक्षा दान कर रहे हैं। पहली बार कोई सामाजिक अभियान बिहार के युवाओं को अपनी ओर तेज़ी से आकर्षित कर रहा है। बिहार में किसानों की संख्या साढ़े 96 लाख के आसपास है। इनके बच्चें सेना, पुलिस में जाना पसंद करते हैं। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान ने इन युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया है। बिहार में कमाई का प्रमुख जरिया स्वरोजगार ही है जिस पर 56% कामकाजी आबादी निर्भर हैं। जो स्वरोजगार करते हैं उनमें भी 33.9% अकेले ही कोई न कोई काम करते हैं। मैन्युफैक्चरिंग 9.3%। पुरुषों से अधिक (53.6%) महिलाएं कृषि, वानिकी और मछली के कारोबार में रोजगार पा रही हैं। शिक्षा क्षेत्र से 25.7% महिलाएं रोजी पा रहीं हैं। लेट्स इंस्पायर बिहार इन सब को स्किल्ड और प्रोफेशनल ट्रेनिंग देने के लिए कई योजनाएं तैयार कर रहा है। इसके लिए विभिन्न बैंकों से भी बात चीत किया जा रहा है। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान का सामाजिक संदेश ही निश्छलता, निष्कपटता, सच्चा और निष्कपट प्रेम से प्रभावित है। जिस तरह से पढ़े लिखे और सज्जन लोगों का समर्थन इस अभियान को मिल रहा है, वह दिन दूर नहीं होगा, जब सम्पूर्ण बिहार से जातिवाद के विषबेल लताओं को कांटने में बिहार की युवा पीढ़ी कामयाब हों जाएगी। यात्रा का संदेश चंद लोगों से शुरू होकर करोड़ों लोगों के हृदय में स्पंदित होने लगी है। पहली बार एक सामाजिक संदेश को किसी पुलिस अधिकारी के द्वारा बिहार में दिया गया है। जो, प्रबल विचारधारा के रुप में बिहार के समाज में मान्यता प्राप्त कर रहा है। इस अभियान को बुलंदी , उत्कर्ष, श्रेष्ठता, ऊँचाई, उच्चता दिलाने के लिए आईपीएस विकास वैभव कठोर परिश्रम कर रहे है। इस तरह से लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान भी तेज़ी से नए नए इतिहास को बनाते हुए, बुलंदियों की ओर बढ़ रहा है। सज्जनों का लेट्स इंस्पायर बिहार से जुड़ाव बिहार के इतिहास में एक नया इतिहास रच रहा है। साथ ही, सभी मेहनती और ईमानदार सामाजिक कार्यकर्ता, जो लेट्स इंस्पायर बिहार के लिए सजग है, तटस्थ हैं, को हार्दिक शुभकामनाएं दे रहा हूं, खासतौर से आईपीएस विकास वैभव को। आइए मिलकर बिहार को प्रेरित करते हैं।

वसप्ति माई महोत्सव को लेकर अधिकारियों ने की जांच

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली । प्रखंड के द0 छपरा बहास के वसप्ति माई स्थान के समीप 6 मार्च को होने वाले वसप्ति माई महोत्सव कार्यक्रम को लेकर सोमवार को अधिकारियो व जनप्रतिनिधियों ने तैयारियो का जायजा लिया। आयोजन में कोई कोताही ना रह जाए इसको लेकर तैयारियां पर ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी प्रियरंजन, उप प्रमुख प्रतिनिधि शंभू साह आदि लोगों ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्थानीय सांसद डॉक्टर संजय जयसवाल, विधायक, विधान परिषद सदस्य, पूर्व बिहार सरकार के मंत्री, प्रखंड प्रमुख सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित होंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद डॉक्टर संजय जायसवाल के द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में कई प्रकार के संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन की जाएगी।

महिला ने हत्याकांड में एक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापामारी की जा रही है।

सुगौली। पुलिस ने महिला हत्याकांड के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के नकदेई में फंदे से लटका कर महिला की हत्या के मामले में अताउल्लाह खान उर्फ कौवल साहब को गिरफ्तार किया है। बता दे की रविवार को एक महिला का शव घर में फंदे से लटके पुलिस ने बरामद किया था। मृतक महिला सुबतार खातून मायके वाले ने दहेज के आरोप लगाकर प्राथमिक की दर्ज कराई है। बताया गया है कि दहेज के कारण उसकी हत्या फांसी लगाकर कर दी गई है। थाना अध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि एक को गिरफ्तार कर लिया गया है बाकी

परिवर्तनकारी शिक्षक संघ ने की रमजान में स्कूल के समय में एक घंटे कटौती की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

» रमजान की अवधि के लिए निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व कार्यालय छोड़ने का है आदेश : समरेंद्र

छपरा। मुस्लिमों का पवित्र महीना रमजान शुरू हो चुका है। यह मुसलमानों का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। इसी क्रम में परिवर्तनकारी प्रारम्भिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष समरेंद्र बहादुर सिंह ने सोमवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी को स्मार पत्र सौंपते हुए कहा कि इस माह में मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखते हैं, जिसमें सूर्योदय से पूर्व से लेकर सूर्यास्त तक उनके खान-पान पर पूर्णतः प्रतिबंध होता है, जबकि सूर्यास्त के तुरंत बाद वे इफ्तार करते हैं। उक्त अवधि की कठिनाई को देखते हुए सरकार द्वारा मुस्लिम कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों की सुविधा के मद्देनजर रमजान की अवधि के लिए निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व कार्यालय छोड़ने का आदेश है। उक्त पत्र के आलोक में शिक्षक नेता ने रमजान माह में कार्य अवधि में एक घंटा की छूट देने की मांग की ताकि शिक्षकों और मुस्लिम छात्रों को भी इसका लाभ मिल सके, क्योंकि इस महीने में शिक्षकों के साथ साथ अधिकांश छात्र एवं छात्राएं भी रोजा रखते हैं। इस मौके पर शिक्षक नेता संजय यादव,एस

राउल हक,विनोद राय,निजाम अहमद,इंद्रजीत महतो,फिरोज इकबाल,पीयूष तिवारी,एहसान अंसारी,शौकत अली,अनुज यादव,मो० मेराज,मोईनुद्दीन अंसारी,रणजीत सिंह,निर्मल पांडेय,विनोद विद्यार्थी,प्रकाश रमन,वकील शर्मा,विनायक यादव,अनिल दास,संतोष कुमार सिंह,अभिमन्यु सिंह,अशोक यादव,पंकज प्रकाश,साबिर अली सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एक बार फिर बजट से गरीबों को मिली निराशा यह बजट चुनावी लॉलीपॉप : सुनील कुमार यादव

कटिहार। सोमवार को बिहार के वित्त मंत्री और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए बिहार का बजट विधानसभा में पेश किया। इस बजट को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने नाराजगी जताई हैं उन्होंने कहा कि यह बजट चुनाव लॉलीपॉप हैं। उन्होंने कहा कि तीन लाख करोड़ से अधिक का बजट है लेकिन बिहार की उन्नति के लिए कोई कार्य योजना नहीं हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिहार की जनता टकटकी लगाए हुए है, लेकिन इस बजट से उसे कोई फायदा नहीं हुआ। इस बजट में आम जनता के लिए कुछ भी नहीं रखा गया है। यह बजट सिर्फ एक चुनावी लॉलीपॉप है, जिससे जनता को बरगलाने की कोशिश की जा रही है सरकार गरीबों, बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए पर्याप्त बजट आवंटित नहीं कर रही है,जिससे आम जनता को कोई राहत नहीं मिल रही।

भगवान श्रेयांश नाथ हुए चांदी की नालकी पर सवार,भक्तों ने बरसाया फूल,भजनों से की प्रभु की आराधना

वाराणसी। जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांशनाथ का जन्म जयंती महोत्सव बड़े ही धूमधाम से सारनाथ स्थित भगवान श्रेयांश नाथ की जन्मस्थली पर मनाया गया | इस अवसर पर जैन समाज द्वारा भगवान श्रेयांश नाथ को चांदी की नाल की पर सवार कर गाजे बाजे के साथ सारनाथ के क्षेत्र में भव्य शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा में श्री दिगंबर जैन समाज काशी द्वारा अत्यंत प्राचीन सोने चांदी के साज सामानों से शोभा यात्रा की शोभा को बढ़ाया गया जैन समाज द्वारा भगवान की अष्टधातु की प्रतिमा को चांदी की नाल की पर विराजमान कर उपस्थित महिलाएं और पुरुष बड़े ही भक्ति भाव से भजन की प्रस्तुति कर रहे थे। इस अवसर पर प्रस्तुत भजन एक दिन जब मौत की शहजादी आएगी ना सोना काम आएगा,ना चांदी काम आएगी तुमसे लागी लगन ले लो अपनी शरण,पारस प्यारा मेटो मेटो जीसंकट हमारा जग के दुख की तो परवाह नहीं है सर्व सुख की भी चाह नहीं है इत्यादि भजन उपस्थित लोगो के मन को मोहित कर ले रहे थे क्या पुरुष,क्या स्त्री और क्या बच्चे शोभायात्रा में जैसे सभी मंत्र मुग्ध हो गए थे | शोभायात्रा में महिलाएं केसरिया साड़ी में तो पुरुष अधिकतर सफेद कुर्ता पैजामा जैसे ड्रेस कोड में थे शोभायात्रा में गाजे बजे वाले अपने अपने इंस्ट्रूमेंट्स से जुलुस की शोभा को बढ़ा रहे थे | शोभायात्रा मंदिर के द्वार से प्रारंभ हो कर सारनाथ में ही परिक्रमा लगाते हुए पुनः मंदिर परिसर में आ कर समाप्त हुई |तत्पश्चात विश्व शांति हेतु भगवान श्रेयांश नाथ की अष्ट धातु की 12" की प्रतिमा और 12 फिट ऊंची विशाल पदमांसन प्रतिमा का 108 स्वर्ण और रजत कलशों से पूजन और पंचांभिषेक किया गया। जुलुस का संचालन समाज के उपाध्यक्ष और संयोजक राकेश जैन द्वारा किया गया पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता जैन समाज के अध्यक्ष आर सी जैन और डॉ केके जैन ने किया । इस अवसर पर प्रधान मंत्री प्रदीप चंद जैन,समाज मंत्री विनोद जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर संरक्षक दीपक जैन,विनय जैन,संजय जैन, आदिश जैन,विमल जैन,सुधीर कुमार पोद्दार,पवन जैन,दीपक जैन,अजय जैन इत्यादि प्रमुख लोग मौजूद थे ।

हाई कोर्ट ने कहा घोर कलयुग! बेटा पिता की सारी संपत्ति ले चुका है

फिर भी 5000 रुपए नहीं दे सकता है

फतुहा। हाईकोर्ट ने कहा मामला दुर्भाग्यपूर्ण, इसने कोर्ट की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया। 77 साल की महिला के पति का निधन हो गया था। परिवार में छोटा एक बेटा और एक बेटी है दो बेटे थे जिसमें एक की मौत हो गई। पति की मौत के बाद महिला की 50 बीघा जमीन उसके बेटे और उसके बेटे के बेटों को ट्रांसफर हो गई थी। 1993 में अनेक अतीत, वर्तमान और भविष्य के रखरखाव के लिए एक लाख रुपए की राशि दी गई थी। उसके बाद वह अपनी बेटी के साथ रहने लगी। बेटे ने अलग रहने का फैसला लिया फैमिली कोर्ट ने मां को 5000 हजार रुपए प्रति महीना गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। बेटे की तरफ से कोर्ट में कहा गया की मां उसके साथ नहीं रही, लिहाजा फैमिली कोर्ट मेंटेनेंस देने का आदेश पारित नहीं कर सकती थी, इस पर मां का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील की ओर से हाई कोर्ट में कहा गया है कि उनके पास आय का कोई स्रोत नहीं है और वह अपनी बेटी की दया पर जीने के लिए मजबूर है। उसके पास भरण पोषण के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं है। कोर्ट ने उसे महत्वपूर्ण मामला बताया और कहा कि इस मामले में कोर्ट के अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। एक बार जब यह पता चला की बुजुर्ग महिला के पास आए का कोई स्रोत नहीं है तो बेटे के लिए याचिका दायर करने वाले का कोई आधार नहीं है।जस्टिस पुरी ने कहा कि बेटा-पिता की की संपत्ति का उत्तराधिकारी है। वह मां को गुजारा भत्ता इसलिए नहीं देना चाहता क्योंकि मां बेटी के साथ रहती है यह तर्क समझ से परे है। लिहाजा याचिका जुर्माना लगाकर खारिज की रही है।

शिक्षक ने की विद्यालय में स्टेशनरी वितरित

सायरा। सायरा ब्लॉक में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मग्घा के शिक्षक आचार्य नरेन्द्र शास्त्री ने अपनी पत्नी ज्योति यादव का जन्मदिन विद्यालय परिसर में बच्चो को स्टेशनरी वितरित करके मनाया। इस अवसर पर तकरीबन 100 विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई । इस दौरान अन्नाराम हिंगड़ ने बताया की निश्चित रूप से इस प्रकार की पहल करने से वंचित विद्यार्थियों को लाभ पहुंचेगा | संसाधन के अभाव में कोई बच्चा पढ़ाई से वंचित न रह जाए | इस अवसर पर नरेन्द्र शास्त्री , भंवरलाल घोघरा , सुनील कुमारी , अन्नाराम हिंगड़ , विष्णु सामरिया, गेहरीलाल मेघवाल , नरपत सिंह समेत स्टाफ व विधार्थी मौजूद रहे ।

दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण मेला का हुआ समापन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। जिला कृषि कार्यालय के द्वारा कृषि यांत्रिकीकरण योजना के तहत संयुक्त कृषि भवन में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि यांत्रिकीकरण मेला सह किसान मेला का समापन किया गया है। समापन कार्यक्रम में वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान, कृषि विज्ञान केंद्र, गंधार- मुनेश्वर प्रसाद एवं जिला कृषि पदाधिकारी संभावना के द्वारा सभा को संबोधित किया गया एवं इस किसान मेला को सफल बनाने में अहम योगदान देने के लिए जिले के किसानों, गणमान्य आगंतुक अतिथियों, कृषि प्रसार कर्मियों, कृषि यंत्र विक्रेता आदि को धन्यवाद दिया गया। उन्होंने बताया कि 05 मार्च से 07 मार्च तक संयुक्त कृषि भवन परिसर में आत्मा

जहानाबाद के द्वारा तीन दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला-सह-उद्यान प्रदर्शनी/प्रतियोगिता कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कृषि एवं सम्बद्ध विभागों/कार्यालयों, प्रगतिशील किसानों आदि के स्टॉल के साथ इस जिला के किसानों द्वारा उत्पादित फल, फूल, सब्जियों की उद्यान प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके लिए इस जिला के किसानों को विभिन्न फल फूल सब्जियों आदि का प्रादर्श हेतु आमंत्रित किया गया है एवं उसमें उत्कृष्ट प्रादर्श लाने वाले किसानों को प्रतियोगिता के माध्यम से पुरस्कृत किया जाएगा। उक्त मेला में नुक्कड़ नाटक के द्वारा कृषि की नवीनत्तम वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण- सुधीर कुमार के द्वारा कृषि यंत्रों पर दिए जा रहे सरकारी अनुदान एवं यंत्रों के उपयोग रख-रखाव आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उनके द्वारा बताया गया कि इस कृषि यांत्रिकरण मेला में अनुदानित दर पर 109 कृषि यंत्रों पर कुल 1536700/- रुपये अनुदान की राशि के यंत्र बिक्री किए गए। इस मौके पर उप परियोजना निदेशक आत्मा राकेश कुमार के अलावा सभी प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, किसान सलाहकार के साथ साथ जहानाबाद जिले के सैकड़ों प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे।

हनुमान पुस्तकालय के मासिक काव्य गोष्ठी में काव्य की गंगा बही

नई सोच एक्सप्रेस

हावड़ा। हावड़ा के सलकिया - बाँधाघाट के ऐतिहासिक हनुमान पुस्तकालय के सभागार में चंद्रिका प्रसाद पाण्डेय अनुरागी के कुशल निर्देशन और प्रख्यात कलमकार जय कुमार रुसवां के अध्यक्षता में सलकिया हिन्दी साहित्य गोष्ठी द्वारा विराट एवं भव्य काव्य गोष्ठी सम्पन्न हुआ।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाध्यापक राम पुकार सिंह "पुकार गाजीपुरी" और विशिष्ट अथिति के रूप में उपस्थित थे कवि पुनीत अग्रवाल।गोष्ठी का शुभारम्भ अध्यक्ष के सुमधुर सारगर्भित वंदना से हुआ।प्रदीप कुमार धानुक के कुशल संचालन में उपस्थित रचनाकारों ने एक से बढ़कर एक स्वरचित रचनायें सुनाकर सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।जिनमें "पुकार गाजीपुरी, रंजीत भारती, चंद्रिका प्रसाद पाण्डेय अनुरागी, पुनीत अग्रवाल, संजय शुक्ल, कमल पुरोहित अपरिचित, बिहारी चौधरी, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ.कामना साव, चित्रा राय कृष्णवीं, नंदू बिहारी, चन्द्र भानु गुप्त मानव, ओम प्रकाश चौबे, डॉ. राजन शर्मा, रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव, स्वेता गुप्ता स्वेताम्बरी और आरती भारती आदि प्रमुख थे।अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में अध्यक्ष ने काव्य गोष्ठी के भव्य आयोजन के लिए इसके आयोजकों , श्रोताओं, सभी रचनाकारों और विशेषकर धर्मेंद्र गिरि, अनिल कुमार सिंह और जय पाण्डेय के प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए अपनी एक मनमोहक रचना सुनाकर श्रोताओं की वाह वाही बटोरी।अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनोज मिश्र ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कलमकारों, श्रोताओं और कार्यक्रम के सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग,जहानाबाद के द्वारा 25 से ज्यादा स्थानों पर की गई छापेमारी

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग द्वारा एरकी, मई हॉल्ट एन.एच.-83, नौरू, सेरथुआ, पिंजौरा, पण्डुई, अमैन, सुगॉव, कुर्था, सरेन, चढ़, गोनावां, सिकन्दरपुर, गोल बिगहा, महमदपुर, पाल्टु बिगहा, कचनावॉ, सैदपुर, सुरका, कलुआचक, इक्किल, परस बिगहा एवं पोखरा इत्यादि विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा शराब व्यवसायीयों एवं उपभोक्ताओ पर नकेल कसने के लिए अभियान चला कर जांच किया जा रहा है। जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चला कर ब्रेथ एनेलाईजर की सहायता से शराब पीने वालों की धर पकड़ की जा रही है। 01 मार्च को कुल 43 लोगों को ब्रेथ एनेलाईजर की सहायता से शराब की जांच

की गई। ड्रोन कैमरा के माध्यम से पोखरा नट टोली, थाना घोसी में जांच किया गया तथा विशेष निगरानी रखते हुए जिले में पड़ने वाले चौक-चौराहों, होटल, ढाबो, रेस्टोरेंट इत्यादि स्थानों में वाहनों का सघन जांच एवं छापेमारी के साथ साथ रात्रि गश्ती किया जा रहा है। नियमित रूप से संध्या के समय नगर परिषद क्षेत्र के अम्बेदकर चौक, अरवल मोड़, काको मोड़ इत्यादि स्थानों पर ब्रेथ एनालाईजर से जांच तथा वाहनों का चेकिंग निश्चित रूप से करने का निर्देश भी दिया गया है। जिसके मद्देनजर मद्य निषेध की टीम के द्वारा लगातार छापेमारी एवं जांच शुरू कर दी गई है । 01 मार्च को चलाए गए अभियान में 05 शराब के विक्रेताओं को गिरफ्तार कर किया गया है। ड्रोन के माध्यम से पोखरा नट टोली थाना घोसी गांव में अभियान चलाया गया जिससे कि पोखरा नट टोली में 8450 किलोग्राम जावा महुआ की जब्ती की गई। इसके साथ ही 85.00 लीटर देशी शराब भी ज़ब्त किया गया है।

मध्य विद्यालय सौ ढ भरतखण्ड में बैग और किट वितरण किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड के मध्य विद्यालय सौ ढ भरतखण्ड में बच्चों के बीच बैग का वितरण किया गया।प्रधानाचार्य संजय कुमार पासवान और शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने संयुक्त रूप से छात्रों को बैग और किट प्रदान किया। इस दौरान प्रधानाचार्य संजय कुमार पासवान ने कहा कि बिहार सरकार ने सभी बच्चों को बैग उपलब्ध करवाया है ताकि उसमें पुस्तक, कलम, कॉपी और बोतल बेहतर ड्रेस के साथ विद्यालय पहुंचकर अध्ययन का कार्य कर सके। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि नियमित बैग लेकर विद्यालय पहुंचे। बेहतर तरीके से अध्ययन का कार्य करें। विद्यालय सभी को बेहतर शिक्षा देने की दिशा

में गंभीर है। जरूरत है मन लगाकर पढ़ने की जो भी पढ़ाई विद्यालय में होती है उसे घर पहुंचकर अभ्यास करने का प्रयास करें। यदि पढ़ने में कठिनाई हो तो दूसरे दिन विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों से आवश्यक सुझाव लें। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने यह भी बताया कि शिक्षा एक ऐसी वस्तु है जिसे लेकर अपने आपको संस्कारित कर सकते हैं। अभी से ही संस्कारित रहें, प्रतिदिन अध्ययन का कार्य करें। अपने स्वास्थ्य आदि पर भी ध्यान दें। यदि शिक्षकों को बताए रास्ते पर चलेंगे तो निश्चित रूप से उन्नति होगी। मौके पर प्रधानाचार्य संजय कुमार पासवान, शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, निरंजन कुमार, रामविनोद साह, रामलाल पंडित, वंदना कुमारी, मीनाक्षी कुमारी, सफकत आफरीन, उत्कर्ष कुमार, सार्थक राज, सोनम, प्रीतम, आदित्य, आयुष, राजनंदनी राजवीर, देवराज, अनुष्का, शिवानी, अंजली सैकड़ों छात्र और छात्राएं मौजूद थे।

भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव की शादी की रिसेप्शन पार्टी में आशीर्वाद देने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई सोच एक्सप्रेस

» महान कारगिल शहीद पिता के पुत्र हैं सिद्धार्थ यादव

नई दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी के तेज तर्रार प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव के शादी समारोह की रिसेप्शन पार्टी में आशीर्वाद देने पहुंचे देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी इस मुबारक मौके पर एक कामयाब अधिवक्ता व भाजपा के प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव की पत्नी भी एक अधिवक्ता है उनकी इस सफल जोड़ी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने चुटकी लेते हुए कहा कि अब तो दोनों ही अधिवक्ता वकील एक साथ शादी के बंधन में बंद गए हो आप घर में ही दोनों आरगुमेंट और आपस में दलीले दिया करना इस बात को सुनकर तमाम शादी में आए मेहमान जोर जोर से हंसने लगे केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य श्रीमती सुधा यादव जो की हमारे तेज तर्रार भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव जी की माता जी हैं भी उपस्थित थी इस मौके पर उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनकर जी रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल जी थे दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मनजिंदर सिंह सिरसा श्री कृष्ण लाल मिढ़ा श्री सुधांशु त्रिवेदी अमीषा देवगन रूबी का लियाकत मयंक गुप्ता विकास भदोरिया रोमाना खान अशोक श्रीवास्तव रीमा पाराशर अंजना ओम कश्यप चित्रा त्रिपाठी दिल्ली प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा राहुल यादव सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे यह जानकारी अनुसूचित जाति मोर्चा के मीडियासह प्रभारी राजू चंदेल ने देते हुए कहा कि शादी की रिसेप्शन पार्टी समारोह दिल्ली के अशोका होटल में बड़ी धूमधाम

के साथ संपन्न हुआ और शादी समारोह की इस शानदार रिसेप्शन पार्टी में देश-विदेश से आए तमाम मेहमानों ने नव विवाहित जोड़े को अपने और आशीर्वाद देते हुए खुशी व्यक्ति करते हुए कहा कि भाजपा प्रवक्ता व वकील सबके चहेते हमारे सिद्धार्थ यादव जी अपने इस जीवन की पारी में अवश्य सफल होंगे जिस प्रकार से उन्होंने राजनीति की सफल पारी खेली है उसी प्रकार जीवन इसके इस अहम रोल को अच्छी तरह निभाएंगे और उनका जीवन सफल व संपन्न होगा तमाम अतिथियों ने नव विवाहित जोड़े को अपना इसी प्रकार आशीर्वाद दिया जैसा कि आपको ज्ञात हो सिद्धार्थ यादव जी के पिता स्वर्गीय श्री यादव जी ने भारत-पाकिस्तान द्वारा छेड़े गए कारगिल युद्ध 1999 में बीएसएफ का नेतृत्व करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए और उन्होंने हंसते-हंसते भारत माता की रक्षा के लिए देश पर अपने प्राण निछावर कर दिए ऐसे महान पिता स्वर्गीय श्री यादव जी के पुत्र हैं हमारे भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव और उनकी माताजी सुधा यादव जी केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य हैं।

जदयू जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

किशनगंज। किशनगंज सोमवार को शीर्ष पार्टी निर्देश के आलोक में जदयू जिला कार्यकारिणी की बैठक जदयू जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक कोचाधामन मुजाहिद आलम की अध्यक्षता में जदयू जिला कार्यालय किशनगंज में हुई। बैठक में सर्वप्रथम नव मनोनित किशनगंज जिला जदयू संगठन प्रभारी पवन मिश्रा को माला पहनाकर, बुके देकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। बैठक में 15 मार्च 2025 तक चारों विधानसभा क्षेत्र के सभी 1176 बुथों पर कम से कम दस पार्टी पदाधिकारियों/कार्यकर्ताओं का बुथ कमिटी बनाने का निर्देश पार्टी पदाधिकारियों को दिया गया है। इसके लिए सभी विधानसभा प्रभारियों एवं प्रखंड अध्यक्षों को अद्यतन वोटर लिस्ट भी उपलब्ध कराया गया है।सभी विधानसभा प्रभारी अपने अपने क्षेत्र के प्रखंडों की मोनिटरिंग करेंगे।सभी प्रखंड अध्यक्ष व नगर अध्यक्ष अपने अपने क्षेत्रों के सभी पंचायत अध्यक्षों एवं वार्ड अध्यक्षों को वोटर लिस्ट उपलब्ध कराएंगे। उक्त कार्य को समय पर पूरा करने के लिए जिला कमिटी के सदस्यों को दो या तीन पंचायतों का प्रभारी मनोनित किया गया है।इस अवसर पर जदयू जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक कोचाधामन मुजाहिद आलम ने सभी पार्टी पदाधिकारियों से अपेक्षित सहयोग की अपील की है।

दो दिवसीय तिल्हेश्वर महोत्सव में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम की बेहतरीन प्रस्तुति

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। सुपौल जिले के सुखपुर गांव स्थित बाबा तिल्हेश्वर शिव मंदिर परिसर में शनिवार को दो दिवसीय तिल्हेश्वर महोत्सव का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में सुपौल सांसद दिलेश्वर कामैत, डीएम कौशल कुमार, पूर्व एमएलसी हारूण रसीद, पिपरा विधायक रामविलास कामत, नगर परिषद के मुख्य पार्षद राघवेंद्र झा (राघव जी) एडीएम राशिद कलीम अंसारी, डीडीसी सुधीर कुमार, जदयू जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर "तिल्हेश्वर दर्पण" स्मारिका का विमोचन किया गया, जिसमें तिल्हेश्वर महादेव मंदिर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता को दर्शाया गया है। इस मौके पर अपने संबोधन में सांसद दिलेश्वर कामैत ने कहा कि आज हम सभी के लिए यह गौरव की बात है कि तिल्हेश्वर नाथ महादेव मंदिर को सरकारी मान्यता प्राप्त होने के बाद दूसरी

बार यह महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, इसके लिए स्थानीय मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। सांसद ने मंदिर के ऐतिहासिक गाथा को बताते हुए कहा कि यह मंदिर हजारों लोगों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। महोत्सव से ना सिर्फ मंदिर की धार्मिक महता बढ़ेगी बल्कि आनेवाले दिनों में यह पर्यटन का केंद्र भी बनेगा। पर्यटन स्थल होने से इस क्षेत्र का विकास होगा। इस क्षेत्र के विकास के साथ- साथ ट्रस्ट का भी विकास होगा। पिपरा विधायक रामविलास कामत ने महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्थान कितना पुराना है यह सही रूप से पता नहीं है। लेकिन ग्रंथों और लोकोक्ति में यह अति प्राचीन है। यहां से दिनोंदिन लोगों की आस्था बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज तक यह तिल्हेश्वर स्थान के नाम से प्रसिद्ध रहा वह आज से तिल्हेश्वर धाम हो गया है। जो समिति इस मंदिर की व्यवस्था देखती थी उसके प्रयासों से अधिकारी और प्रशासन का ध्यान इस ओर गया और आज यह मौका आया है। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि सरकार ने तिल्हेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सुखपुर से मंदिर परिसर तक सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जल्द ही यह मंदिर नये स्वरूप में दिखेगा। न्यास समिति के सचिव वंशमणि सिंह ने सभी अधिकारी और गणमान्य का स्वागत करते हुए कहा कि मंदिर जिला प्रशासन के द्वारा इस आयोजन के लिए जो समिति से कहा गया वह पूरा किया गया। उन्होंने बताया कि यह ढाई सौ साल पुराना मंदिर है, यह अंकुरित मंदिर है, यहां मनोकामना शिवलिंग है। यहां भक्त जो भी मनोकामना रखते हैं वह पूरी होती है। उन्होंने मंदिर के इतिहास की जानकारी दी। उद्घाटन सत्र के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घोषक के रूप में शशि प्रभा जी थी। मौके पर स्थानीय कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुति से पंडाल में बैठे लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय कलाकार के द्वारा गाये गीत झूम केय अबू यो तिल्हेश्वर बाबा केय दरबार में सब कियो झूम केय अबू यो... को लोगों ने खूब सराहा। कलाकार अमृता दीक्षित का मधुर शिव भजन हे शंभू बाबा मेरे भोले नाथ.. पर श्रोताओं ने जम कर तालियां बजायी। संगीतमय संध्या महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या में लोकगायिका अमृता दीक्षित और कल्पना मंडल ने अपने शानदार गीतों से समां बांध दिया। दोनों गायिकाओं ने भक्तिमय और पारंपरिक गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. भक्तों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का हौसला बढ़ाया। महोत्सव में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति-भाव में लीन हो बाबा तिल्हेश्वर महादेव की आराधना की। आयोजकों ने बताया कि यह महोत्सव दूसरी बार मनाया जा रहा है और स्थानीय संस्कृति को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महोत्सव के दूसरे दिन रविवार की संध्या होने वाली संगीतमय प्रस्तुति के बेहतरीन कलाकार चंदन तिवारी (बनारस) एवं मुक्ति व शमीम एवं स्थानीय कलाकारो के द्वारा धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया , जहां दर्शकों की अपार भीड़ देखी गईं।

नीतीश कुमार की सियासत को समझना बहुत मुश्किल है?

आरती कुमारी

बिहार की राजनीति में चाणक्य समझे जाने वाले जनता दल यूनाइटेड सुप्रीमो और कद्दावर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कब क्या करेंगे, कब किस ओर पाला बदलेंगे, यह दृढ़तापूर्वक नहीं कहा जा सकता है क्योंकि पहले अपने व्यक्तिगत हितों, फिर अपनी पार्टी की सामूहिक जरूरतों और उसके बाद बिहार के समग्र हितों के अनुरूप ही वह अपना फैसला बदलते रहते हैं। उनकी स्पष्ट सोच है कि जो आपको हल्के में ले, नेता मानने में आनाकानी करे, उसे अपने भारीपन का एहसास करवा दो। चाहे उनके दगाबाज राजनीतिक मित्र हों या मौकापरस्त गठबंधन सहयोगी, सबको उसके असली जूते की साइज में वो कुशलतापूर्वक फिट करते रहे। यही वजह है कि जहां कांग्रेस और भाजपा जैसे घाघ राष्ट्रीय दलों को उन्होंने अपने इशारे पर नचाया, वहीं उन समाजवादियों और क्षेत्रीय दलों को भी नहीं बख्शा जो उनकी आंखों में खटकते गए। सच कहूं तो ये सभी कार्य उन्होंने बड़ी ईमानदारी पूर्वक किए और सूबाई सियासत में निज सफलता की ऐसी लकीर खींच दी जिसका फिलवक्त कोई सानी नहीं है इसलिए भाजपा को नीतीश कुमार का एहसानमंद रहना चाहिए कि बिहार को जनता दल और राष्ट्रीय जनता दल के डेढ़ दशकों के जंगलराज (1990 से 2005) से मुक्ति दिलाने में, भाजपा की सियासी अछूत वाली छवि से उसको मुक्ति दिलाने में और बिहार को विकास की पटरी पर पुनः ले जाने में जदयू सुप्रीमो का बहुत बड़ा योगदान है और पिछले दो दशकों में यदि नीतीश कुमार ने कुछ रणनीतिक गलतियां कीं हैं तो सिर्फ अपनी हिफाजत के लिए जो उनका निज धर्म है। हालांकि, नीतीश कुमार को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि जब तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने उनकी सियासी महत्वाकांक्षाओं को समझते हुए उनके राजनीतिक करियर को चौपट कर दिया था, तब यही भाजपा है जिसने अपने कैडर के बल पर उन्हें न केवल बिहार की सियासत में स्थापित किया बल्कि लालू प्रसाद से भी बड़ा राजनेता बनने में उनकी मदद की। यह अटल-आडवाणी युग का सबसे बड़ा और सफल फैसला है जिसके मुख्य सूत्रधार पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली थे। ऐसे में मोदी-शाह युग में नीतीश कुमार की व्यथा-कथा समझी जा सकती है। यह ठीक है कि देश की राजनीति में कांग्रेस का विकल्प बन चुकी जनता पार्टी और जनता दल की समाजवादी राजनीति में बिहार और नीतीश कुमार जैसे नेता भी एक मजबूत स्तम्भ रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय मोर्चे और संयुक्त मोर्चे की सरकार के गठन तक नीतीश कुमार की क्या स्थिति (सियासी फजीहत) हो चुकी थी, यह बात भी किसी से छिपी हुई नहीं है। मसलन,भाजपा को कांग्रेस का विकल्प बनने देने और निज स्वार्थ के लिए समाजवादी सियासत का गला घोंटने का इतिहास जब जब लिखा जाएगा, नीतीश कुमार को भी उसके लिए दोषी ठहराया जाएगा क्योंकि समाजवादी राजनीति जब ओबीसी और दलित राजनीति में बिखर रही थी तथा उसके नेतागण अल्पसंख्यकों को साधकर एक दूसरे को कमजोर कर रहे थे, तब नीतीश कुमार ने इस आत्मघाती समाजवादी राजनीति को थामने के लिए कोई पहल नहीं किए बल्कि भाजपा में ही पिछड़ों को मजबूत करके अपना राजनीतिक स्वार्थ साधने में सफल रहे। यह ठीक है कि बिहार का सफल मुख्यमंत्री होने के नाते नीतीश कुमार भी प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने लगे। निज स्वार्थ के लिए उनके कुछ करीबी भी उनकी हां में हां मिलाने लगे लेकिन भाजपा इस स्थिति को कैसे बर्दाश्त कर सकती थी। 2004 के बाद 2009 में भी जब भाजपा दूसरी बार केंद्रीय सत्ता में लौटने में चूक गई तो आरएसएस में हड़कंप मच गया। भाजपा नेताओं और उनके राजनीतिक मित्रों की कुंडली खंगाली जाने लगी। हालांकि, तभी डी फोर यानी लालकृष्ण आडवाणी, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज और अनंत कुमार के अलावा उनके सहयोगियों में नीतीश कुमार की भी दुधारी तलवार को कुंद करने की योजना बनी थी। तब मैंने 'वीर अर्जुन' हिंदी दैनिक में इस पर खूब लिखा था। इसी गोपनीय 'आरएसएस ऑपरेशन' का तकाजा था कि नितिन गडकरी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने जिन्होंने डॉ सीपी ठाकुर को बिहार भाजपा का अध्यक्ष बनाया। उनके रहते जब बिहार विधान सभा 2010 का चुनाव हुए तो भाजपा को बिहार में काफी सफलता मिली। इससे नीतीश कुमार का माथा ठनका और फिर भाजपा को कमजोर रखने के प्लान बी में वो जुट गए। दरअसल, यह वह सियासी दौर था जब भाजपा नेता अटल-आडवाणी युग को समाप्त करवाने के लिए नीतीश कुमार को वह भाव नहीं दे रहे थे जो अटल बिहारी बाजपेयी दिया करते थे। यही भाजपा नेताओं की बड़ी गलती थी क्योंकि जदयू-भाजपा के समर्थक लालू विरोधी सवर्ण, ओबीसी, दलित और कट्टर हिंदुत्व के पक्षधर थे जिनकी भावनाओं से नीतीश कुमार-सुशील मोदी खेलते रहे, तब तक जब तक कि उनका सियासी जनाधार छीज नहीं गया। इसलिए नीतीश और बीजेपी के इस अबूझ रिश्ते की पूरी पहेली आपको बताते हैं। नीतीश कब व कैसे नाराज हुए और कब व कैसे साथ आए, इसका पूरा वृतांत आपको बताते हैं। इसके बाद वो कैसे मोदी 3.0 सरकार के किंगमेकर बने, यह भी समझाते हैं। इससे साफ है कि अभी वो भाजपा की कमजोर नस हैं- पहले 2025 के बिहार विधान सभा चुनाव के लिए और फिर उसके बाद 2029 के लोकसभा चुनाव तक के लिए। नीतीश कुमार का बीजेपी से गठबंधन 1996 में शुरू हुआ जो पहली बार तत्कालीन पीएम इन वेटिंग बनने के चक्कर में जुटे नरेंद्र मोदी की वजह से 2013 में टूट गया। याद दिला दें कि नीतीश कुमार ने गुजरात दंगों की वजह से नरेंद्र मोदी को 2005 और 2010 में बिहार में चुनाव प्रचार में नहीं आने दिया लेकिन जब बीजेपी ने नरेंद्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री उम्मीदवार घोषित कर दिया तब नीतीश कुमार ने नाराज होकर 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ लिया। 2014 का लोकसभा चुनाव जब नीतीश कुमार ने अकेले लड़ा तो उन्हें बिहार में महज 2 सीटें मिली। फिर उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस के साथ मिलकर महागठबंधन बनाया और 2015 का चुनाव भारी बहुमत से जीते हालांकि उसके बाद फिर 2017 में नीतीश वापस एनडीए में लौट आये। ततपश्चात नीतीश कुमार ने2019 का लोकसभा चुनाव साथ-साथ लड़ा और 40 में से 39 सीटें एनडीए के हिस्से में आईं। तब भाजपा और लोजपा ने अपने खाते की सभी क्रमशः 17 और 6 सीटें जीतीं जबकि जदयू ने 17 में से 16 सीटें जीतीं। लेकिन जल्दी ही एनडीए में भाजपा, जदयू और लोजपा के बीच केंद्र के मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या को लेकर विवाद शुरू हो गया। यह विवाद 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान तब और गहरा गया जब जेडीयू को सिर्फ 43 सीटें आईं। इससे नीतीश कुमार को लगा कि उन्हें कमजोर करने की कोशिश हो रही है। वहीं, रही सही कसर आरसीपी सिंह के केंद्र में मंत्री बनने के बाद पूरी हो गई। आरोप लगा कि बीजेपी आरसीपी सिंह के जरिये जेडीयू को तोड़ना चाहती है। संभवतया इसी आधार पर बिहार में 2022 में फिर सत्ता परिवर्तन हुआ और फिर महागठबंधन की सरकार बन गई। इस प्रकार नीतीश कुमार फिर राजद नीत महागठबंधन के साथ आ गए। इसके बाद नीतीश कुमार ने बीजेपी के खिलाफ गोलबंदी करनी शुरू कर दी लेकिन कांग्रेस के रवैये से वो खुश नहीं थे क्योंकि बैठकों में हो रही देरी और कांग्रेस के स्पष्ट निर्णय न लेने की आदत से वो पुनः महागठबंधन से खफा हो गए। समझा जाता है कि 23 जून 2023 को नीतीश कुमार के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक भले ही पटना में हुई लेकिन बाद की इसकी बैठकों में उन्हें ही किनारा कर दिया गया जिसके बाद विपक्षी गठबंधन के नाम इंडिया गठबंधन को लेकर नीतीश खफा थे क्योंकि वो भारत गठबंधन बनाना चाहते थे ताकि गरीबों का गठबंधन दिखे लेकिन अमीरों की पार्टी कांग्रेस को इंडिया शब्द प्रिय था ताकि वह विदेशों में उसका फायदा उठा सके। इससे एक बार फिर महागठबंधन से नीतीश कुमार का मोह भंग हुआ और फिर से साल 2024 के जनवरी माह में वो एनडीए में शामिल हो गए। भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने लगे। इस बार अपना पाला बदलते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि अब बहुत हो गया। अब और अधिक पाला नहीं बदलेंगे लेकिन बिहार के अति उत्साही भाजपा नेता जो हड़बड़ी दिखा रहे हैं, उससे लग रहा कि नीतीश का सियासी संकल्प कहीं एक बार फिर न टूट जाए क्योंकि नीतीश कुमार का अगला कदम क्या होगा, इसको लेकर बिहार की राजनीति में मंथन पिछले 11 सालों से चल रहा है। चूंकि अब केंद्र की राजनीति भी नीतीश कुमार के अगले कदम का इंतजार करेगी, इसलिए सियासी वाकया दिलचस्प बना रहेगा। गोया, लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भले ही यह कहा जा रहा था कि नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जेडीयू चुनाव के बाद लगभग खत्म हो जाएगी, लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम ने नीतीश कुमार और उनकी पार्टी को ऐसी मजबूती दी कि वो केंद्रीय स्तर पर भी किंगमेकर बन गए हैं। बहरहाल, केंद्र की राजनीति में भी सबकी निगाहें उन्हीं पर टिकी हुई हैं। फिलवक्त नीतीश कुमार ने एनडीए को अपना समर्थन दिया है लेकिन बिहार भाजपा के नेताओं की ऊटपटांग बयानबाजियों के बीच वो कब तक एनडीए में रहेंगे, इसको लेकर कुछ निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। तभी तो उनकी पार्टी ने स्लोगन दिया है कि 'नीतीश सबके हैं!' इसलिए उनके विरोधियों को भी उनसे आस लगी रहती है क्योंकि नीतीश कुमार को किसी पार्टी से परहेज भी नहीं है। ये महज संयोग नहीं है कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू विपक्ष को एकजुट करने प्रयास कर चुके हैं। खास बात यह कि चंद्रबाबू नायडू ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले यह प्रयास किया था जबकि नीतीश कुमार ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कुछ ऐसा ही प्रयास किया था। इससे भाजपा 2019 में तो नहीं लेकिन 2024 में कमजोर जरूर हुई। यदि नीतीश कुमार भाजपा के साथ नहीं होते तो भाजपा की स्थिति और ज्यादा खराब होती। एक बात और, नीतीश कुमार ने गठबंधन की अदला-बदली जरूर की है लेकिन उसके पीछे राजनीतिक कारण रहे हैं। नीतीश कुमार कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते हैं। यही कारण है कि वो आज भी राजनीति में इतने प्रासंगिक हैं। रेल मंत्री रहते हुए रेल दुर्घटना पर इस्तीफा देने वाले नीतीश कुमार ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 2 सीट आने पर मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया था। इसलिए एक मजबूत और ईमानदार छवि के नेता के रूप में नीतीश कुमार की पहचान है। वहीं, नीतीश कुमार की ये भी खासियत रही है कि वो राजनीति में आने वाली चुनौतियों को पहले ही भांप लेते हैं। इसके अलावा, बीजेपी के कई कोर एजेंडों से भी नीतीश कुमार की सहमति नहीं रही है। जेडीयू को अग्निवीर योजना पर भी आपत्ति है। उसे यूसीसी पर भी आपत्ति है। वो सबकी समीक्षा अपने अनुरुप चाहती है। इसलिए अब इन फैसलों पर बीजेपी को अपने सहयोगियों की राय लेनी पड़ेगी। इसके अलावा, भाजपा को नीतीश के अतीत को देखते हुए हमेशा यह खतरा बना रहेगा कि वे कब बिदक कर किनारे हो जाएं। वैसे नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार कोई भी फैसला अकेले लेने के आदी रहे हैं, लिहाजा इस तरह के स्वभाव से स्थिति बदल सकती है। हालांकि, देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में नीतीश कुमार का एनडीए को छोड़ने का कोई कारण नजर नहीं आ रहा है. जिस प्रकार के चुनाव परिणाम आए हैं, उसमें नीतीश कुमार के लिए एनडीए के साथ रहना फायदेमंद है। मसलन, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाए और 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाए तो स्थितियां सामान्य रह सकती हैं लेकिन नीतीश कुमार भले ही इससे इनकार करते हों लेकिन कहीं ना कहीं उनके मन में प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठने की हसरत तो है ही। इसलिए उनका अगला कदम तभी बदलेगा, जब कोई उनको पीएम बनाने की गारंटी दे। मोदी और राहुल के रहते यह सम्भव नहीं है। बहरहाल चर्चा है कि जब बीजेपी ने नीतीश कुमार को 'बड़ा भाई' बनाया तो बड़े भाई नीतीश कुमार ने भी अपना 'बड़ा दिल' दिखा दिया और बिहार विधानसभा चुनाव से पहले हुए मंत्रिमंडल विस्तार में सभी 7 मंत्री पद भाजपा को दे दिए और अपना एक भी मंत्री नहीं बनाया। बता दें कि विगत 11 महीने से बिहार कैबिनेट विस्तार टलता आ रहा था लेकिन पीएम मोदी की भागलपुर यात्रा के महज 24 घंटे के अंतराल पर में हुई नीतीश-जेपी नड्डा की बैठक में चमत्कारिक सहमति बन गई, जो बड़ी बात है। समझा जाता है कि बीजेपी नेतृत्व ने अंदरखाने में उन्हें संकेत दे दिया है कि एनडीए के ताउम्र मुख्यमंत्री वो ही रहेंगे, जबतक उन्हें बहुमत मिलता रहेगा। अब आइए एक नजर डालते हैं जनादेश से मिले सियासी संकेतों पर। वर्ष 2010 में 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा चुनाव में जेडीयू को 115 सीटें और भाजपा को 91 सीटें प्राप्त हुईं जबकि इससे पहले 2005 के बिहार विधान सभा मध्यावधि चुनाव में जदयू को महज 88 सीटें और भाजपा को मात्र 55 सीटें मिलीं थीं हालांकि तब बिहार में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सीपी ठाकुर और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने न केवल अपनी जाति भूमिहार ब्राह्मण बल्कि अन्य सवर्णों का वोट थोक भाव में भाजपा-जदयू गठबंधन को दिलवाया, बल्कि ऐसी सोशल इंजीनियरिंग की कि ओबीसी-एमबीसी-दलितों व अल्पसंख्यक वर्गों के भी वोट एनडीए को मिले। हालांकि, इससे अतिशय सावधान हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने अपने-अपने निजी व दूरगामी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए और ओबीसी लॉबी को अपेक्षाकृत और मजबूत करने हेतु अपनी-अपनी सियासी चालें चलनी शुरू कर दी जो सवर्णों को नागवार गुजरी। नीतीश कुमार यही चाहते भी थे। यही वजह है कि 2015 के बिहार विधान सभा चुनाव में एनडीए टूट गया। सूबाई राजनीति में भाजपा पुनः अलग-थलग पड़ गई और जदयू ने महागठबंधन बनाकर राजद-कांग्रेस से हाथ मिला लिया। इसी वर्ष हुए चुनाव में राजद 80 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। वहीं, जदयू को 71 सीटें और कांग्रेस को 27 सीटें मिली थीं जबकि भाजपा को मात्र 53 सीटें मिली थीं। हालांकि, जब राजद और कांग्रेस ने जदयू को दबाव में लेना शुरू कर दिया तो स्वभाव से शातिर नीतीश कुमार ने महागठबंधन को दगा दे दिया और उनकी जदयू पुनः एनडीए के साथ हो गई। फिर भी 2020 में हुए बिहार विधान चुनाव में राजद को सर्वाधिक 75 सीटें मिलीं और कांग्रेस को मात्र 19 सीटें मिलीं जबकि भाजपा को 74, जदयू को मात्र 43 और अन्य राजनीतिक दलों को 31 सीटें मिलीं। इस बार फिर से भाजपा ने उदारता का परिचय दिया और नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनने दिया। लेकिन भाजपा के दबाव को नीतीश झेल नहीं पाए और फिर से महागठबंधन में शामिल होकर मुख्यमंत्री बने रहे जबकि भाजपा सरकार से बाहर हो गई। इस बार फिर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी इंडिया गठबंधन खड़ा कर दिया। वहीं इसके संयोजक को लेकर जब पुनः कांग्रेस और राजद ने उनको हल्के में लिया तो फिर 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एनडीए में आ गए। इससे बिहार भाजपा को पुनः सत्ता सुख मिला। वहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें पीछे रह गई भाजपा के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू संकटमोचक बने। इससे भारतीय राजनीति में पुनः जदयू और नीतीश कुमार का महत्व बढ़ गया। आपको याद दिला दें कि फरवरी 2005 में हुए बिहार विधान सभा चुनाव में राजद ने 75 सीटें, जदयू ने 55 सीटें और 37 सीटें जीतीं थीं जबकि कभी बिहार में एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस महज 10 सीटें ही जीत पाई थी। इससे दो साल पहले यानी 2003 में जनता दल के शरद यादव गुट की लोक शक्ति पार्टी और जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार की समता पार्टी ने मिलकर जनता दल (यूनाइटेड) का गठन किया था। थोड़ा और अतीत में जाएं तो साल 2000 में जब एकीकृत बिहार में चुनाव हुआ था तो उससे पहले बिहार में काफ़ी उथल-पुथल हुई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव ने राबड़ी देवी को अपनी जगह बिहार का मुख्यमंत्री बनाया था और 1997 में लगभग तीन हफ़्तों का राष्ट्रपति शासन भी लगा था। इसके बाद मार्च 2000 में विधानसभा चुनाव हुए। ये वो समय जब बिहार से अलग करके झारखंड राज्य नहीं बनाया गया था। इसी साल यानी 2000 के नवंबर में झारखंड का गठन हुआ था। तब बिहार में 324 सीटें हुआ करती थीं और जीतने के लिए 162 सीटों की ज़रूरत होती थी। इन चुनावों में राजद को 124 सीटें मिली थीं। वहीं, भाजपा को 67 सीटें और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली समता पार्टी को मात्र 34 सीटें मिली थी जबकि कांग्रेस को मात्र 23 सीटें हासिल हुई थीं। तब 2000 के चुनाव में राबड़ी देवी पुनः मुख्यमंत्री बनी थीं। अब बात करते हैं 1995 के बिहार विधानसभा चुनाव की क्योंकि ये वो चुनाव था जब ना तो बिहार में आरजेडी थी और ना ही जेडीयू हालांकि, 1994 में ही नीतीश कुमार अपनी समता पार्टी बनाकर लालू यादव से अलग हो गए थे। तब लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में जनता दल को 167 सीटें मिलीं थीं जबकि भाजपा को सिर्फ़ 41 सीटें मिलीं जबकि कांग्रेस को मात्र 29 सीटें ही मिलीं। तब झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) भी बिहार से ही चुनाव लड़ता था जिसे 10 सीटें ही मिली थी। तब नवगठित समता पार्टी को मात्र सात सीटें मिली थीं। इस चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के साथ लालू यादव बिहार के मुख्यमंत्री बने लेकिन साल 1997 में चारा घोटाले में फंसने के कारण लालू यादव को बिहार के मुख्यमंत्री के पद से हटना पड़ा और उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाया हालांकि उनके इस फैसले की काफ़ी आलोचना हुई और पार्टी में फूट भी पड़ गई। 1997 में ही राष्ट्रीय जनता दल का भी गठन हुआ। अब बात करते हैं 1990 के बिहार विधानसभा चुनाव की क्योंकि इसी चुनाव से पहले 1988 में कई दलों के विलय से जनता दल बना और उसने पहली बार बिहार विधान सभा का चुनाव लड़ा था। तब जनता दल ने 122 सीटें जीती थी और सबसे बड़ी पार्टी बनकर खड़ी हुई हालांकि, तब बहुमत का आँकड़ा 162 सीटें था। वहीं कांग्रेस को महज 71 सीटें और भाजपा को 39 सीटें ही मिलीं थीं। उस समय कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया को 23 सीटें और जेएमएम को 19 सीटें मिलीं थी। तब बिहार के चतुर सियासी खिलाड़ी लालू यादव के नेतृत्व में जनता दल की सरकार बनी थी। इस चुनावों के बाद ही बिहार में एक ही कार्यकाल में कई मुख्यमंत्री बनने का दौर ख़त्म हुआ क्योंकि ऐसा करना ही कांग्रेस को भारी पड़ा था और 1989 के भागलपुर सांप्रदायिक दंगे में उसकी सरकार की विफलता से पूरे देश के अल्पसंख्यक उसका साथ छोड़कर नवगठित जनता दल के साथ हो गए अब बात करते हैं 1985 के बिहार विधानसभा चुनाव की, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी और उसे 196 सीटें मिली थीं जो बहुमत से कहीं ज़्यादा थीं। इस चुनावों में लोक दल को 46 और भाजपा को मात्र 16 सीटें मिली थीं। उस समय जनता पार्टी भी चुनावी मैदान में थी जो बाद में जनता दल में शामिल हो गई। तब जनता पार्टी को मात्र 13 सीटें मिली थीं हालांकि, इस चुनाव के बाद बिहार में एक ही कार्यकाल में चार मुख्यमंत्री बने थे। 1985 से 1988 तक बिंदेश्वरी दुबे बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनके बाद लगभग एक साल भागवत झा आज़ाद, फिर कुछ महीनों के लिए सत्येंद्र नारायण सिन्हा और जगन्नाथ मिश्र बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। इन आंकड़ों से साफ है कि बिहार के बारे में पहले कांग्रेस की अदूरदर्शिता और फिर भाजपा की अदूरदर्शिता ने क्रमशः लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को पहले अपनी कीमत पर मजबूत होने दिया और फिर शक्ति संतुलन की राजनीति को शह दिया लेकिन नीतीश कुमार इतने चतुर निकले कि भाजपा, कांग्रेस और राजद सबको मूर्ख बनाते रहे और अपना राजनीतिक हित साधते रहे। हालांकि चुनाव परिणाम इस बात की चुगली कर रहे हैं कि 2015 में महागठबंधन को मिले जनादेश से धोखाधड़ी करने और फिर 2020 में एनडीए को मिले जनादेश को पुनः छलने से और फिर साथ आने से भाजपा, राजद, कांग्रेस सबके लिए वो अविश्वसनीय राजनीतिज्ञ बन चुके हैं। इसलिए 2025 के बिहार विधान सभा चुनाव से पहले सभी उनको सियासी मात देने वाली चालें चल रहे हैं। वहीं नीतीश कुमार भी सियासी रायता बिखेरने वाले फैसले कर चुके हैं ताकि उनके बिना किसी की सरकार नहीं बन पाए। अब जनादेश क्या आएगा, यह तो वक्त बताएगा लेकिन इस बार यदि बिहार के दो धुर विरोधी लड़कों यानी पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सियासी चक्की में नीतीश कुमार का सियासी करियर पिस जाए तो किसी को हैरत नहीं होगी हालांकि, इससे निबटने के लिए ही नीतीश कुमार अपने पुत्र निशांत कुमार की सियासी लॉन्चिंग का संकेत दे चुके हैं ताकि उनकी उम्र का बोझ मतदाताओं को हल्का महसूस हो। आपको याद दिला दें कि जब विपक्षी गठबंधन की नींव रखने वाले नीतीश कुमार को तवज्जो नहीं दी गई तो उन्होंने उन सबसे तौबा कर लिया। वहीं, आज पुनः हालात ये पैदा कर चुके हैं कि वो नेता भी, जिन्होंने कभी नीतीश कुमार को विपक्षी गठबंधन का चेहरा नहीं बनने दिया था, आज नीतीश कुमार से आस लगाए बैठे हैं। ऐसा करिश्मा सब नेता नहीं दिखा सकते। एक बिहारी सब पर भारी वाली कहावत को राजनीति में वो चरितार्थ कर रहे हैं। नेहरू-गांधी परिवार, संघ परिवार और क्षेत्रीय समाजवादी राजनीतिक परिवारों को जिस तरह से राजनीतिक बुझौव्वल वह बुझा रहे हैं, सबको चकरघिन्नी आ जाती है, उनका अगला कदम उठते ही। शायद यही राजनीति है जो जनमानस में वेश्यावृत्ति से भी घृणित जगह बनाती जा रही है। वहीं, अब तक जो लोग आशंकित थे कि नरेंद्र मोदी को सिर्फ पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने का तजुर्बा है, तो उन्हें अब यह एहसास हो गया कि नरेंद्र मोदी अल्प बहुमत वाली सरकार भी चला सकते हैं। साथ ही, आम आदमी पार्टी का शिकार करने के बाद जदयू का शिकार कैसे करवाते हैं, इसके लिए आपको इंतजार करना होगा। यह बात अलग है कि नीतीश को एकनाथ शिंदे बनाने के लिए उन्हें अभी कई पापड़ बेलने होंगे। फिर उनकी हसरत पूरी होगी, मुझे संदेह है क्योंकि नीतीश जी के अंतड़ी में दांत हैं जो भाजपा को बखूबी कुतरने का माद्दा रखते हैं। अतीत यही चुगली कर रहा है, इसलिए भविष्य के करिश्मे का इंतजार कीजिए क्योंकि मोदी है तो सबकुछ मुमकिन है. अब तो दिल्ली भी यही चुगाली कर रही है जहां 33 प्रतिशत बिहारी रहते हैं !

क्या गिरते ग्राफ के कारण झुंझलाहट में है मायावती ?

अशोक भाटिया , मुंबई

बहुजन समाज पार्टी के राज्य कार्यालय में रविवार को बसपा प्रमुख मायावती ने बैठक में बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया । उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का राष्ट्रीय कोओर्डिनेटर बनाया गया है। इनके जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया गया।मायावती ने अपने बयान में कहा कि आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है। आकाश आनंद को हटाने के पीछे इसकी सारी जिम्मेवारी उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की है। अशोक ने पार्टी के नुकसान पहुंचाने के साथ ही साथ आकाश के राजनीतिक कैरियर को भी खराब कर दिया है। आकाश के स्थान पर उनके छोटे भाई आनंद कुमार ही पार्टी का सभी कार्य करते रहेंगे। आनंद पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ ही साथ राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर भी बनाया गया है। उनका पूरा सहयोग करने के लिए रामजी गौतम को भी नेशनल कोओर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी है। इन दोनों में से आनंद कुमार का प्रमुख कार्य दिल्ली में अधिक रहकर पार्टी का पूरा पेपर वर्क अन्य जरूरी कार्य देखेना होगा। साथ ही पूरे देश में अपना सम्पर्क बनाकर रखेंगे। वहीं रामजी गौतम पूरे देश और हर राज्यों में जाकर पार्टी की प्रगति रिपोर्ट लेंगे। पार्टी के जनाधार को भी बढ़ाने के लिए उनके द्वारा दिए गये निर्देशों का पालन कराएंगे। बसपा चीफ ने साल 2019 में आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था। वहीं, अपने ही भाई को पार्टी के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि ताजा फैसले के जरिए मायावती संदेश देना चाहती हैं कि बसपा का मिशन उनके परिवार से पहले आता है।इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि दोनों को पद दिए जाने के बाद मायावती पर वंशवाद फैलाए जाने के आरोप लग रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि बसपा के वरिष्ठ नेताओं का एक वर्ग आनंद के बढ़ते कद से खास खुश नहीं था। उत्तरप्रदेश की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद दलित युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। साथ ही वह पार्टी के नाम के साथ ही इस बात पर दावा पेश करते नजर आ रहे हैं कि वह ही कांशीराम की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं। अब कहा जा रहा है कि आनंद को पद से हटाए जाने के जरिए मायावती यह दिखाने की कोशिश में भी हैं कि वह कांशीराम की विरासत की असली उत्तराधिकारी हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि बहुजन समाज पार्टी का किला लगातार ढहता जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी 10 सीटों से शून्य पर आ गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ, इसमें भी पार्टी का खाता तक नहीं खुला। हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी बसपा की हालत खराब ही रही।दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी कुछ खास नहीं कर पाई। पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे राजनीतिक विश्लेषक सबसे बड़ा कारण पार्टी से नेताओं की विदाई मान रहे हैं। उनका मानना है कि अब पार्टी के पास पहले जैसे कद्दावर नेता बचे नहीं हैं। यही वजह है कि पार्टी को इसका लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है।साथ ही बसपा के खराब प्रदर्शन से पार्टी के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जो पहले कभी नहीं हुआ था वह पहली बार बहुजन समाज पार्टी ने साल 2007 में अकेले दम पर कर दिखाया था। बीएसपी ने 212 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश की सत्ता पर अधिकार जमाया।इससे पहले भी तीन बार बीएसपी सुप्रीमो मायावती विभिन्न पार्टियों के सहयोग से सरकार बनाती रहीं, लेकिन चौथी बार जब मायावती की सरकार बनी तो किसी भी दल की जरुरत बीएसपी को नहीं पड़ी। हालांकि 2012 आते-आते पार्टी का ग्राफ गिरने लगा। चाहे लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा, पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। 2019 में बहुजन समाज पार्टी ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और 10 सीट पाने में कामयाब हुई।एक समय पार्टी में नसीमुद्दीन सिद्दीकी और इंद्रजीत सरोज का जलवा था। पर 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हुआ। पार्टी ने अकेले दम पर चुनाव लड़ा। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट को छोड़ पार्टी कहीं भी नहीं जीत पाई। रसड़ा के बारे में माना जाता है कि यहां से विधायक उमाशंकर सिंह निर्दलीय भी लड़े तो भी जीतने में सक्षम हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में फिर से पार्टी ने अकेले लड़ने का फैसला किया। लेकिन पार्टी का खाता तक नहीं खुला। बहुजन समाज पार्टी की उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार रही। बसपा सुप्रीमो मायावती का टेरर इस कदर था कि पार्टी के नेता और सरकारी अधिकारी उनसे घबराते रहे। पार्टी में उस समय ऐसे कद्दावर नेता थे जो दूसरी पार्टियों में नहीं थे। इनमें नसीमुद्दीन सिद्दीकी को मायावती के बाद दूसरे नंबर का माना जाता था।आरके चौधरी का नाम बसपा के बड़े नेताओं नें शामिल था। पार्टी से बाहर होने के बाद सपा से सांसद हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य, रामअचल राजभर, बाबू सिंह कुशवाहा, इंद्रजीत सरोज, आरके चौधरी, लाल जी वर्मा और अशोक सिद्धार्थ जैसे बड़े नेता पार्टी में थे। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं देशभर में पार्टी का दबदबा था। धीरे-धीरे पार्टी के नेताओं पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए बीएसपी सुप्रीमो ने एक्शन लेना शुरू किया और उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया।ज्यादातर नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया और वर्तमान में विधायक, सांसद और राष्ट्रीय महासचिव तक बने हुए हैं, जबकि बहुजन समाज पार्टी की स्थिति यह हो गई है कि मायावती के बाद कोई ऐसा नामचीन चेहरा पार्टी में नहीं रह गया है जो जनता से सीधे तौर पर जुड़ा हो। गौर करने वाली बात यह भी है कि बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव में गिनी चुनी जनसभाएं ही करती हैं, जिसके चलते जनता पर उसका प्रभाव भी नहीं पड़ रहा है। यही वजह है कि देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद भी पार्टी की एक भी सीट नहीं निकल पा रही है।बसपा सुप्रीमो मायावती अपने सख्त एक्शन के लिए हमेशा से जानी जाती हैं। बुधवार (12 फरवरी) को भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई कर नेताओं को एक बार फिर कड़ा संदेश दिया था कि पार्टी में अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी, फिर चाहे कोई कितना भी करीबी क्यों न हो।मायावती ने पार्टी से भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर कर दिया था । मायावती की कार्रवाई का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जब लोकसभा चुनाव के दौरान भतीजे आकाश आनंद ने सीतापुर में रैली के दौरान कुछ ऐसा भाषण दिया जो मायावती को नागवार गुजरा। इसके बाद उन्होंने अपने भतीजे पर ही कार्रवाई कर दी। पार्टी का उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद उनसे यह अधिकार वापस ले लिया। हालांकि जब सब मामला शांत हो गया तब फिर से भतीजे को वही पद वापस किया। राजनीतिक विश्लेषक मनमोहन का कहना है कि बहुजन समाज पार्टी की बागडोर जब कांशीराम के हाथ में थी, तब जो नेता थे, वे धीरे-धीरे आज पार्टी से अलग हो गए। आरके चौधरी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बाबू सिंह कुशवाहा ने पार्टी की स्थापना में योगदान दिया था।विभिन्न जातियों के पिछड़े, दलित इस तरह के तमाम नेता पार्टी से जुड़े और अलग हो गए। इसमें एक नाम बृजेश पाठक का भी आता है जो बहुजन समाज पार्टी से बाद में जुड़े। दो बार मायावती ने उन्हें राज्यसभा भेजा। बाद में वही पार्टी से अलग हो गए। उनके पार्टी से अलग होने का कारण दूसरा था।नसीमुद्दीन सिद्दीकी का भी कारण एक अलग तरह का ही था। बाद में स्वामी प्रसाद मौर्य चले गए। मायावती की पार्टी उत्तर प्रदेश में हाशिए पर जा रही है। विधानसभा में संख्या घटकर एक रह गई है। दूसरे राज्य में उनका उतना लाभ नहीं मिल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मनमोहन बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में जब मायावती की सरकार बनी थी तो उन्होंने पहली जनसभा गोरखपुर में की थी। उस दौरान वहां के मंडलायुक्त ओमप्रकाश थे, वह मायावती के सजातीय थे, लेकिन सबसे पहले करवाई उन्होंने ओम प्रकाश पर ही की थी। उन्हें निलंबित कर दिया था।

शराब नीति में हेरा-फेरी

आम आदमी पार्टी (आप) के क्रियाकलाप पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट अंततः दिल्ली विधानसभा के पटल पर रख दी गई। कुल चौदह मामलों पर कैग ने रिपोर्ट तैयार की हैं, लेकिन जिस रिपोर्ट पर सबकी नजर लगी थीं, वह आबकारी नीति के संबंध में है। इस रिपोर्ट में शराब नीति को लेकर कोई व्यवस्था जितनी तरह की लापरवाहियां बरत सकती है, जितनी तरह की अनियमितताएं कर सकती है, और विभिन्न हित समूहों के लिए भ्रष्टाचार की जितनी गुंजाइशें छोड़ी जा सकती हैं, उन सबका उल्लेख किया गया है। पुरानी नीति की प्रक्रियागत खामियों को दूर करने के लिए ही नई नीति का मसौदा तैयार किया था लेकिन नई नीति के क्रियान्वयन में विशेषज्ञ समिति के अनेक सुझावों को दरकिनार किया गया। दिल्ली में शराब वितरण केंद्रों की न केवल संख्या बढ़ा दी गई, बल्कि वितरण उन क्षेत्रों में भी पहुंचा दिया गया जहां पहले प्रतिबंधित था यानी स्कूल और आवासीय परिसरों के निकट। उत्पादन और वितरण की एजेंसियों का भी मनमाने ढंग से चयन किया गया। उन संस्थाओं को ठेके दे दिए गए जो पात्रता नहीं रखती थीं और रखती भी थीं तो उन्हें जरूरत से ज्यादा खुदरा विक्रय केंद्र आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट में यह उल्लेख स्पष्ट है कि शराब नीति में हेरा-फेरी और उसके क्रियान्वयन में जो तौर-तरीके अपनाए गए उनके चलते लगभग दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान दिल्ली सरकार को हुआ। यह तभी हो सकता है, जब नुकसान की राशि का कुछ न कुछ हिस्सा उन लोगों के पास पहुंचा हो जिन्होंने नुकसान होने दिया और इसी ने ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए जांच की स्थितियां तैयार कीं जिसके कारण तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह जैसे लोगों को जेल जाना पड़ा।

रिचर्ड्स बोले,अपने जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण सर्वश्रेष्ठ हैं विराट

जमैका। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि अपने जुझारू जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण ही विराट सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। है। वह अपने आलोचकों को हमेशा ही अपने खेल से जवाब देते हैं। इंटरनेशनल मास्टर लीग (आईएमएल) की संचालन परिषद के सदस्य रिचर्ड्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह वास्तव में हम सभी के सवालों का जवाब देता है। एकदिवसीय विश्व कप से पहले वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था पर उसने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया। ये सभी उसके जुनून और जज्बे से हुआ है। उन्होंने कहा, 'इसलिए ही मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ और महानतम खिलाड़ी मानता हूं। आपको हर बार ऐसे खिलाड़ी नहीं मिलते जो फॉर्म में नहीं होने के बाद भी अच्छी वापसी कर सकें। उनका जुझारू जज्बा, ऊर्जा और अच्छा प्रदर्शन करने का जुनून उन्हें सबसे अलग बनाता है। रिचर्ड्स ने कहा कि अगर वह अब भी खेल रहे होते तो वह मैदान पर कोहली की ऊर्जा से खेलना पसंद करते। रिचर्ड्स ने कहा, 'उनकी ऊर्जा उनके जुनून को दिखाती है। वह हर समय खेल में अपनी भागीदारी से आपको अपने जुनून को दिखाते हैं। वह इस तरह से शानदार खिलाड़ी हैं। जब उनसे उनकी पसंद के बल्लेबाजों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोहली उन्हें अपनी याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा, 'बहुत सारे बल्लेबाज हैं, भारतीय टीम के पास पहले सचिन तेंदुलकर जैसे क्रिकेटर थे जो अब संन्यास ले चुके हैं पर वर्तमान समय में विराट ही हिम्मत करते हैं और जीतते हैं। वह अपने पर भरोसा करता है, हर वक्त 120 फीसदी आश्वस्त रहता है और जब भी आक्रामक होने की जरूरत होती है और विरोधियों का सामना करने की जरूरत होती है तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत होती है। रिचर्ड्स ने कहा कि कोहली की फिटनेस और भूख को देखते हुए वह लंबे समय तक एकदिवसीय में खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको एक बात बताता हूं, वह जिस तरह के हैं और जिस तरह से फिट रहते हैं और जिस तरह से वह अभी भी खेल के प्रति बहुत जुनूनी है तो आप कुछ नहीं कह सकते, वह 50 साल की उम्र में भी खेल सकता है। रिचर्ड्स ने कहा, 'आप कुछ नहीं कह सकते। लेकिन यह देखना शानदार है। उन्होंने हाल में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ 100 रन बनाए तो इससे पता चलता है कि वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने हालांकि कोहली की तुलना तेंदुलकर से करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं तुलना में विश्वास नहीं रखता। हमें इस बात के लिए आभारी होना चाहिए कि हर कोई जिस दौर से गुजरा होगा, उस दौर में इन खिलाड़ियों को देखने वाले लोगों को लगा होगा कि उन्होंने कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखा है।

ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में रिकार्ड अच्छा, हमें गलतियों से बचना होगा : रोहित

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा कि हमें जीत के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा और पुरानी गलतियों से बचना होगा। रोहित के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकार्ड आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा रहा है। इसलिए हमें काफी ध्यान से खेलते हुए मैच पर अपना नियंत्रण बनाये रखना होगा। रोहित ने कहा कि हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए मैच पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। भारतीय टीम ने ग्रुप चरण के अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर ग्रुप ए में नंबर एक स्थान हासिल किया है। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना ग्रुप बी की दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद आईसीसी वनडे विश्व कप के रोहित ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का अच्छा खेलने का इतिहास रहा है, उसके खिलाफ हमें एकदिवसीय विश्वप में हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए हमें मैच के दिन अपने नियंत्रण वाली चीजें सही करनी होंगी। हमें इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि उस दिन हमें क्या करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कम मैचों वाले टूर्नामेंट में लय बनाए रखना सबसे अहम होता है। हमारी कोशिश हर मैच जीतने की रहेगी। गलतियां होती हैं पर उसे सुधारना सबसे जरुरी है। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर कहा कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल बीच चौथे विकेट के लिए हुई 98 रन की साझेदारी अहम रही। साथ ही कहा कि हमें अपने बनाये स्कोर के बचाव का भरोसा था। उन्होंने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की सराहना करते हुए कहा कि उसके पास कुछ अलग है, हम देखना चाहते थे कि वह इन हालातों में क्या कर सकते हैं। हमें अगले मैच में टीम चयन के बारे में सोचना होगा।

करुण बोले, टीम इंडिया में जगह नहीं मिलने का कारण चयनकर्ता ही बता सकते हैं

नागपुर। घरेलू क्रिकेट में जमकर रन बनाने वाले करुण नायर की लगातर उपेक्षा हुई है। करुण ने पिछले कुछ समय में विदर्भ की ओर से नौवां शतक लगाया है। इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। करुण ने अपने करियर की शुरुआत में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तिहरा शतक भी लगा था। वहीं जब करुण से टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसका जवाब वह नहीं दे सकते। ये गेंद चयनकर्ता ही बता सकते हैं। नायर ने केरल के खिलाफ नाबाद 132 रनों की पारी खेली। नायर का यह मौजूदा रणजी सत्र में चौथा शतक है। उन्होंने अब तक 57.33 की औसत से 860 रन बनाए है। उसने इससे पहले विजय हजारे ट्रॉफी में भी शानदार बल्लेबाजी की थी। उसने विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतक और एक अर्धशतक की मदद से 389.50 की औसत से 779 रन बनाये थे। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह भारतीय टीम में अपनी वापसी को सभी प्रयास कर रहा है। साथ ही कहा कि मुझे जो भी अवसर मिल रहा है उसमें मुझे अच्छा प्रदर्शन करते रहना होगा। मुझे अपना काम सर्वश्रेष्ठ तरीके से करना है। भारत के लिए छह टेस्ट और दो एकदिवसीय खेल चुके इस क्रिकेटर ने कहा कि मैं इस मैच से पहले इस बारे में बात कर रहा था कि मेरे नाम आठ शतक हैं, अगर मैं एक और बनाऊंगा तो मैं नौ अंक का इशारा करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं बस हमारे कुछ साइडआर्म थ्रोअर में शामिल यश थोराट से बात कर रहा था, जो हमेशा बल्लेबाजी और हर चीज में हमारी मदद करते हैं। मैंने उससे कहा कि अगर मैं शतक बनाऊंगा, तो मैं उसे नौ दिखाऊंगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई घटनओं से सभी को समझ आया भारतीय टीम पाक नहीं भेजने का कारण : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार की घटनाएं चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई हैं। उससे सभी को पता चल गया है कि भारतीय टीम को क्यों पाकिस्तान नहीं भेजा गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सुरक्षा कारणों से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था, जिसके कारण भारतीय टीम अपने मुकाबले दुबई में खेली रही है। वहीं अन्य टीमें अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेल रही हैं। गावस्कर ने कहा, इस टूर्नामेंट में भी, हमने देखा कि किस प्रकार एक नहीं दो मैचों में लोग सुरक्षा तोड़कर मैदान में घुसने में सफल रहे, जब मैच चल रहा था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के मैच के जो हुआ उसे देखकर कोई भी सरकार भारतीय टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दे सकती थी।

इस मैच में एक व्यक्ति ने न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र को पकड़ लिया था। वहीं अफगानिस्तान और इंग्लैंड मैच में भी एक व्यक्ति खिलाड़ियों तक पहुंच गया था। वहीं जब गावस्कर ने पूछा गया कि भारतीय टीम कब पाक के साथ सीरीज खेलेगी तो उन्होंने कहा कि भारत-पाक सीमा पर जब तक शांति नहीं होती। ऐसी किसी सीरीज की संभावना नहीं है। गावस्कर ने कहा, यह बहुत सरल है। अगर सीमा पर शांति है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखो, ठीक है, कोई घटना नहीं हुई है, तो चलो कम से कम बात करना शुरू करें।

आईपीएल 2025 में एक बार फिर पंजाब किंग्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन को तैयार हैं शशांक

नई दिल्ली। आईपीस में पिछली बार अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाल पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज शशांक सिंह का लक्ष्य इस बार भी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है। शशांक ने पिछले सत्र में अपनी मैच विजेता पारियों से का ध्यान खींचा था। शशांक पिछले साल दुनिया भर में गूगल पर 9वें सबसे अधिक खोजे जाने वाले एथलीट थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों में 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी थी। शशांक ने इस पर कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में खोजे जाने वाले लोगों की एक सूची जारी करता है। यह मेरे लिए एक बड़ी बात थी। इससे खुशी हुई थी कि देश और दुनिया भर के लोग मेरा नाम खोज रहे हैं और जान रहे हैं कि मैं क्या करता हूं पर इसका श्रेय मैं श्रेय पंजाब में बिताए अपने समय को देता हूं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब किंग्स के कारण ही संभव हुआ है। ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो प्रतिभाशाली हैं और शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं पर पंजाब किंग्स ने हमेशा मुझ पर भरोसा दिखाया है और मेरा समर्थन किया है हालांकि मैंने भी कड़ी मेहनत की है। शशांक को पंजाब किंग्स ने 2025 सत्र के लिए टीम में बनाये रखा है। शशांक ने कहा कि वह श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इसका कारण है कि मैंने उनके साथ जूनियर स्तर पर खेला है। हमने डीवाई पाटिल टी20 कप में एक साथ खेला था और हमारे बीच अच्छा समन्वय है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मैं बेहद भाग्यशाली हूं कि मैं पिछले साल इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा था और मुझे बरकरार रखा गया था।

व्यापार

मजबूत शुरुआत के बाद फिसला शेयर बाजार

» सेंसेक्स 73 हजार, निफ्टी 60 अंक टूटा

मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मजबूत शुरुआत के बाद घरेलू शेयर बाजार लाल निशान में फिसल गए। वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प की टैरिफ घोषणाओं से बाजार में घबराहट बनी हुई है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 73,427 अंक पर खुला। यह 73,649 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि, कारोबार शुरू होने के आधे घंटे के बाद यह लाल निशान में फिसल गया। जिसके बाद सेंसेक्स 235.54 अंक गिरकर 72,962.56 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मजबूती के साथ 22,194 अंक पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में यह भी लाल निशान में चला गया। इस समय निफ्टी 59.15 अंक की गिरावट लेकर 22,065.55 पर कारोबार कर रहा था। इस बीच फरवरी के मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई डेटा, तीसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की दिशा तय करेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा इस सप्ताह घोषित किए जाने वाले नए टैरिफ को लेकर भी निवेशकों की नजर बनी हुई है। इससे पहले शुक्रवार को सेंसेक्स 1,414 अंक गिरकर 73,198 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 420 अंक फिसलकर 22,125 पर बंद हुआ था। वहीं एशिया-प्रशांत के शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी देखी गई, क्योंकि निवेशक इस सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा घोषित किए जाने वाले टैरिफ योजनाओं को लेकर स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.67 प्रतिशत चढ़ा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 0.75 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स भी 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार करता दिखा। हालांकि, दक्षिण कोरिया के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजारों में भी मजबूती देखने को मिली, जहां एसएंडपी 500 में 1.59 प्रतिशत, डॉव जोन्स में 1.39 प्रतिशत और नैस्डैक में 1.63 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

सोने का भाव 84,550 रुपए, चांदी 94,750 रुपए के करीब

नई दिल्ली। इस सप्ताह के पहले दिन सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 84,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 94,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 292 रुपये की तेजी के साथ 84,511 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 343 रुपये की तेजी के साथ 84,562 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 272 रुपये की तेजी के साथ 94,600 रुपये पर खुला। इस समय यह 434 रुपये की तेजी के साथ 94,762 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,872 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,848.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 30.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,879.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.71 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.49 डॉलर था। इस समय यह 0.40 डॉलर की तेजी के साथ 31.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 पीएम मोदी महाकुंभ की सफलता भगवान सोमनाथ को समर्पित की,मंदिर में प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा की,आज सुबह गिर' फॉरेस्ट की सफारी किए
2 राजस्थानः विजयनगर में नाबालिग लड़कियों से रेप के आरोपी की कोर्ट के बाहर पिटाई
3 BSP सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाला
4 4 से 9 मार्च तक ब्रिटेन और आयरलैंड की यात्रा पर रहेंगे विदेश मंत्री जयशंकर
5 महाराष्ट्रःविधान परिषद की पांच रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा,27 मार्च को मतदान
6 जयपुरःIIT बाबा के नाम से प्रसिद्ध अभय सिंह के पास मिला गांजा,पुलिस ने हिरासत में लिया
7 बिहारःवित्त मंत्री सम्राट चौधरी विधानसभा पहुंचे,पेश किए राज्य सरकार का बजट;सम्राट चौधरी ने जो बजट का भाषण पढ़ा,वह जुमला हैःतेजस्वी यादव
8 छत्तीसगढ़ःराज्य सरकार ने पेट्रोल के दामों में एक रुपए की कटौती की
9 रोहित शर्मा फिट हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं,फिटनेस विवाद पर बोले राजीव शुक्ला
10 झारखंडःहेमंत सरकार ने विधानसभा में 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया
11 यह दुर्भाग्यपूर्ण बात,ऐसी टिप्पणियां ना करें...रोहित शर्मा फिटनेस विवाद पर बोले BCCI सचिव
12 छत्तीसगढ़ःवित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया सूबे का पहला हाथ से लिखा बजट'
13 J-K:CM उमर अब्दुल्ला ने दोपहर 2 बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई,बजट को दी जाएगी मंजूरी
14 दिल्ली विधानसभा में हंगामा,बीजेपी के कुलवंत राणा और AAP विधायक संजीव झा के बीच जुबानी जंग
15 दिल्लीः विधानसभा सत्र से पहले कैबिनेट और विधायक दल के साथ CM रेखा गुप्ता की मीटिंग
16 गिर नेशनल पार्क से सफारी करके लौटे PM मोदी,अब राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की 7वीं बैठक में होंगे शामिल
17 ऑस्कर्स 2025: Anora फिल्म के लिए माइकी मेडिसन को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड
18 ऑस्कर्स 2025: एड्रियन ब्रॉडी ने जीता बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड, The Brutalist के लिए मिला पुरस्कार;ऑस्कर्स 2025:एमिलिया परेज़ ने जीता बेस्ट ओरिजिनल गाने का अवॉर्ड
19 ओडिशा: केंद्रपाड़ा में टीचर के कथित उत्पीड़न के परेशान छात्रा ने की खुदकुशी
20 हरियाणाःहिमानी हत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार, पुलिस आज कर सकती है बड़ा खुलासा
21 इजरायल ने अमेरिका के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार किया,हमास ने किया रिजेक्ट
22 एयर-डिफेंस मिसाइल की खरीद के लिए यूक्रेन को 2 बिलियन डॉलर की फंडिंग करेगा ब्रिटेन
23 बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में आज होगा शिकायतकर्ता का बयान
24 वाराणसीः ज्ञानवापी मामले में आज होगी तीन याचिकाओं पर अगली सुनवाई
25 उत्तराखंड हिमस्खलन में 46 श्रमिक सुरक्षित,अंतिम शव मिलने से मृतकों की संख्या हुई 8
26 ब्रिटेन-फ्रांस ने ट्रंप की दुत्कार का लिया बदला,जेलेंस्की का जोरदार स्वागत,बनाएंगे यूक्रेन युद्धविराम योजना
27 हमारे बीच सब ठंडा ठंडा-कूल कूल,शिंदे से कोल्ड वॉर की अटकलों पर बोले सीएम फडणवीस
28 शेयर बाजार में घोटाला! पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अधिकारियों पर FIR का आदेश
29 मुस्लिम-ईसाई नहीं,लेफ्ट-लिबरल से है हिंदुओं को खतरा,हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा हमला
30 UP में एक्सप्रेस-वे और हाईवे के किनारे नहीं होंगी शराब की दुकानें,होली से पहले CM योगी का सख्त निर्देश
31 कांग्रेस नेता हिमानी की मां का अंतिम संस्कार से इनकार,बोलीःहत्या के पीछे पार्टी के ही लोग, वह पॉलिटिक्स छोड़ शादी करने वाली थी
32 MP में किसानों को 5 में बिजली कनेक्शन मिलेगा,अभी साढ़े 7 हजार रुपए में मिल रहा,CM बोलेः30 लाख सोलर पंप भी देंगे
33 महाराष्ट्र में नाबालिग भाई ने बहन को मार डाला,6 साल की बच्ची परिवार की लाडली थी,इससे नाराज था;नवाजुद्दीन की फिल्म से आइडिया लिया
34 गिरिराज का लालू यादव पर हमला,बेटे को अपने डीएनए पर करना चाहते है लांच,कहाः उनके डीएनए में लूट-डकैती
35 हरियाणा निकाय चुनाव में 46 प्रतिशत मतदान,अंबाला और सोनीपत में महापौर पदों के लिए भी हुए उपचुनाव
36 महाराष्ट्रःविपक्ष ने शासन की विफलताओं' और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर विधानसभा सत्र की पूर्व संध्या पर चाय पार्टी का किया बहिष्कार
37 फतेहपुरःराम मनोहर को बना दिया मुनव्वर,धर्म परिवर्तन के बाद बहन से निकाह... बाप-बेटे,मौलवी समेत 4 पर केस
38 ट्रंप के अरमानों पर फिरेगा पानी! गाजा पर मास्टरप्लान तैयार,एकजुट हुए अरब मुल्क
39 आप CM की कुर्सी नहीं बचा पाए, मेरा क्या दोष?अजित का शिंदे पर तंज, फडणवीस भी हंसे
40 इजरायल ने अमेरिका के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार किया,हमास ने किया रिजेक्ट

फिल्म नादानियां का ट्रेलर रिलीज, 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

स्टार किड्स को लेकर दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। आने वाले दिनों में कई सितारों के बच्चे बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाले हैं। इन्हीं में से एक हैं सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान। इब्राहिम निर्माता करण जौहर की फिल्म नादानियां से अभिनय जगत में कदम रखने वाले हैं, जिसका ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। ट्रेलर की शुरुआत में इब्राहिम के किरदार अर्जुन मेहता के बारे में बताया जाता है, जो एक लॉ कॉलेज में जाना चाहता है। इसी बीच उसकी मुलाकात पिया जय सिंह (खुशी कपूर) से होती है, जो महत्वाकांक्षा से ज्यादा प्यार को प्राथमिकता देती है। पिया और अर्जुन एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं, लेकिन ट्विस्ट तब आता है, जब अर्जुन सबको बताता है कि उसे पिया को डेट करने के लिए हर हफ्ते 25,000 रुपये मिलते हैं। ट्रेलर देख एक ने लिखा, शुक्रिया नेटफ्लिक्स। 2 मिनट में बता दिया कि इस फिल्म के लिए मुझे अपने 2 घंटे खर्च नहीं करने हैं। एक लिखते हैं, शुक्र है ये नेटफ्लिक्स पर ही आ रही है। एक ने लिखा, इब्राहिम- मुझे 25 हजार मिले बॉयफ्रेंड बनने के लिए। दर्शक- भाई तू नेटफ्लिक्स का 199 का सब्सक्रिप्शन दिला दे तुम दोनों को झेलने के लिए। एक ने लिखा, कमेंट सेक्शन में पीआर सक्रिय हो गया है। वैसे कुछ लोग इब्राहिम की तारीफ भी कर रहे हैं और उनके मुताबिक वह बॉलीवुड के अगले सुपरस्टार हैं। कोई उन्हें सैफ की कार्बन कॉपी बता रहा है तो कुछ का कहना है कि ट्रेलर देख उन्हें उनकी जवानी के दिन याद आ गए हैं। बहरहाल, बता दें कि नादानियां 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है। शौना गौतम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। यह फिल्म पहले प्यार के जादू और पागलपन को दर्शाती है, जहां चुनाव हमेशा आसान नहीं होते हैं। ऊल्मि में शर्ते से शुरू हुए एक रिश्ते का अंजाम देखने को मिलेगा। फिल्म में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज सहायक भूमिका निभा रहे हैं। यह खुशी की तीसरी फिल्म है। इब्राहिम के साथ उनकी केमिस्ट्री ट्रेलर में अच्छी लग रही है। इससे पहले खुशी को द आर्चीज और जुनैद खान के साथ लवयापा में देखा गया था।

बॉडीकॉन आउटफिट में छाईं रकुल प्रीत सिंह

हर एक पोज पर अटक गई फैंस की नजर!

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस का हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।<एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और न्यूड लिप्सटिक शेड लगाकर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सिजलिंग एंड हॉट। ऐसे ही एक के बाद एक यूजर फोटोज पर लाइक्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

भाग्यश्री की बेटी अवंतिका की नई फिल्म का ऐलान, नसीरुद्दीन शाह के बेटे विवान बने जोड़ीदार

अभिनेत्री भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दासानी की नई फिल्म इन गलियों में का ऐलान हो गया है। वह इससे पहले तेलुगु फिल्म नेनु स्टूडेंट सर और वेब सीरीज मिथ्या में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म में अवंतिका की जोड़ी अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के छोटे बेटे विवान शाह के साथ बनी है, जिसे देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं। अभिनेता जावेद जाफरी भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आइए बताते हैं इन गलियों में कब रिलीज होगी। इन गलियों में के निर्देशन की कमान अविनाश दास ने संभाली है, जिन्हें रात बाकी है और अनारकली ऑफ आरा जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। विनोद यादव और नीरू यादव इसके निर्माता हैं। इन गलियों में का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। अविनाश के मुताबिक फिल्म इन गलियों में, वसु मालवीय के पुत्र पुनर्वसु की तरफ से अपने पिता को श्रद्धांजलि है। पटकथा पुनर्वसु ने लिखी है, ज्यादातर गीत भी उन्होंने ही लिखे है, गीतों की शुरुआती धुन भी उन्होंने ही तैयार की है। अविनाश कहते हैं, ये फिल्म मेरी तरफ से हिंदी साहित्य को एक उपहार है। यदुनाथ फिल्म्स ने इसे बनाया, इसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार रहूंगा और शुक्रगुजार रहूंगा फिल्म के सारे कलाकारों का जिन्होंने मेरी इस मनोभावना में मेरा साथ दिया। जावेद जाफरी, इश्तियाक खान, सुशांत सिंह, अवंतिका दसानी, विवान शाह, राजीव ध्यानी, हिमांशु वाजपेयी जैसे चर्चित कलाकारों से सजी इस फिल्म की टीम में अरविंद कन्नाबिरन, जबीन मर्चेंट, अमाल मलिक, संजय चौधुरी और अरुण नांबियार भी परदे के पीछे से शामिल हैं।

पति पत्नी और पड़ोसन पर युक्ति कपूर: मुझे भावनाओं के स्पेक्ट्रम में उतरने की चुनौती दी

ओटीटी प्लेटफॉर्म हंगामा एक और बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर, पति पत्नी और पड़ोसन लेकर आया है। अभिनेत्री युक्ति कपूर को शो में मुख्य किरदार प्रतिभा की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। पति पत्नी और पड़ोसन विवाह, विश्वासघात और जुनून की अंधकारमय, पेचीदा गतिशीलता को उजागर करता है। यह शो एक छोटे शहर की जिज्ञासु मध्यवर्गीय गृहिणी प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसका किरदार युक्ति कपूर ने निभाया है। अपनी रहस्यमयी नई पड़ोसी सागरिका के प्रति उसका आकर्षण जल्द ही एक खतरनाक जुनून में बदल जाता है। जैसे ही वह सागरिका के भयावह अतीत को उजागर करती है, प्रतिभा को अपने पति को इस रहस्यमय अजनबी के घातक इरादों का शिकार होने से बचाने के लिए धोखे के जाल से गुजरना पड़ता है। प्रतिभा के रूप में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, युक्ति कपूर ने कहा, एक ऐसे किरदार को निभाना वाकई रोमांचक था जो एक तरफ तो पालन-पोषण करने वाला है, दूसरी तरफ वह खतरे का सामना करने में भी दृढ़ है। प्रतिभा एक साधारण महिला है जो असाधारण परिस्थितियों में फंसी हुई है, जिसने मुझे भावनाओं के एक स्पेक्ट्रम में उतरने की चुनौती दी। उसकी यात्रा में बुने गए मनोवैज्ञानिक तनाव और रहस्य ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उन्होंने शो के लिए प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ सहयोग करने के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने कहा, चारु और मुओहित ने शो में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, हर दृश्य को अपनी तीव्रता से उभारा। पात्रों के बीच की स्तरित गतिशीलता कथा को मनोरंजक और अप्रत्याशित बनाए रखती है। मैं दर्शकों को पति पत्नी और पड़ोसन के रहस्य और नाटक में डूबे हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ। शो के पोस्टर में प्रतिभा के रूप में युक्ति कपूर साड़ी पहने हुए हैं और पृष्ठभूमि में एक मध्यम वर्गीय कॉलोनी दिखाई दे रही है। राज शेट्टी के निर्देशन में बनी पति पत्नी और पड़ोसन में चारू मेहरा और मुओहित जौशी के अलावा अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पति पत्नी और पड़ोसन 20 फरवरी, 2025 से विशेष रूप से हंगामा पर स्ट्रीम हो रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।